साप्ताहिक

युवा प्रदेश

Freedom Of Speech

RNI.NO. MPHIN/2015/76299

संपादक-नागेश नरवरिया

वर्ष 7, अंक-27 | www.yuvapradesh.in | भोपाल, शुक्रवार 12 अगस्त 2022 | ypnews24@gmail.com | पृष्ठ -8 | मूल्य 2 रुपये

सुविचार

गलत तरीकों से सफल होने से कई गुना बेहतर है, सही तरीके अपनाकर असफ़ल हो जाना।

Mother's Basket
Kitchen Herbs & Spices
Swad jo pahuche dil tak

मुख्यमंत्री चौहान ने नीम, कदम्ब और मौलश्री के पौधे लगाए

भार्गव ब्राह्मण महिला मंडल और आसर्मी वेलफेयर एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने भी किया पौध-रोपण

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने श्यामला हिल्स स्थित स्मार्ट सिटी पार्क में भार्गव ब्राह्मण महिला मंडल और आसर्मी वेलफेयर एसोसिएशन के प्रतिनिधियों के साथ नीम, कदंब और मौलश्री के पौधे लगाए। भार्गव ब्राह्मण महिला मंडल की सुश्री उमा भार्गव, श्रीमती शिवकुमारी शर्मा और श्री निखिल व्यास पौध-रोपण में सम्मिलित हुए। मुख्यमंत्री श्री चौहान के साथ आसर्मी वेलफेयर एसोसिएशन की सुश्री अदिति राठौर, सुश्री प्रीति श्रीवास्तव, सुश्री आकृति यादव और श्री मनु माहेश्वरी ने पौध-रोपण किया। भार्गव महिला मंडल, समाज की महिलाओं के साथ विशेष कर सावन मास में पौध-रोपण और स्वच्छता संबंधी गतिविधियों का निरंतर संचालन करता है। आसर्मी वेलफेयर एसोसिएशन, महिलाओं की शिक्षा और उनके कौशल उन्नयन के क्षेत्र में सक्रिय है। साथ ही महिलाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए विशेष रूप से कार्यरत है। पर्यावरण-संरक्षण के लिए भोपाल, इंदौर, उज्जैन और देवास में जागरूकता गतिविधियाँ संचालित की जाती हैं।

पौधों का महत्व

मौलश्री औषधीय वृक्ष है, इसका सदियों से आयुर्वेद में उपयोग होता आ रहा है। एंटीबायोटिक तत्वों से भरपूर नीम को सर्वोच्च औषधि के रूप में जाना जाता है। कदम्ब, आयुर्वेद में अपने औषधीय गुणों के लिए प्रसिद्ध है। इसके फूलों का विशेष महत्व है। प्राचीन वेदों और रचनाओं में कदम्ब के सुगन्धित फूलों का उल्लेख मिलता है।

भेल में बदलेगी कैंटीन की व्यवस्था प्रबंधन जल्द लेगा कोई निर्णय

अब कैंटीन में भरपेट भोजन व नाश्ते में पोहा, उपमा कर्मचारियों को मिलेगा। साथ ही अन्य व्यवस्थाएं भी मुहैया कराई जाएंगी।

भोपाल। भारतीय मजदूर संघ के दखल के बाद भेल प्रबंधन कारखाने में संचालित कैंटीन की व्यवस्था दुरुस्त करने पर राजी हो गया है। अब कैंटीन में भरपेट भोजन व नाश्ते में पोहा, उपमा कर्मचारियों को मिलेगा। साथ ही अन्य व्यवस्थाएं भी मुहैया कराई जाएंगी। हाल ही में भारतीय मजदूर संघ के अध्यक्ष विजय कठैत और महामंत्री कमलेश नागपुरे के नेतृत्व में भेल कारखाने की कैंटीन की व्यवस्था ठीक कराने की मांग महाप्रबंधक आरिफ सिद्दकी सहित अन्य अधिकारियों से मांग की थी। इसके बाद प्रबंधन ने कैंटीन में व्यवस्थाएं बहाल करने का निर्णय लिया है। कोरोना संक्रमण के कारण बीते दो सालों से भेल कारखाने में कैंटीन व्यवस्था पहले की तरह पटरी पर नहीं आ पा रही है। बीएमएस के पदाधिकारियों का कहना है पहले दिन 30 थाली बुकिंग के लिए होगी। यदि सुबह नौ बजे तक बुक हो गई तो अगले दिन तत्काल बुकिंग का कोटा 40 हो जाएगी। यदि 40 थाली भी तत्काल बुकिंग हो गई तो उसके अगले दिन 50 थाली बुकिंग के लिए होगी। इस प्रकार बुकिंग ट्रेंड देखकर क्रमश तत्काल बुकिंग कोटा बढ़ाया जाएगा। साथ ही तत्काल बुकिंग का समय सुबह नौ बजे कर दिया गया है।

जनजातीय क्षेत्रों में सिकल सेल के रोगियों को होम्योपैथी दवाओं से मिला उपचार

विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा और भारिया के लिये चल रही है परियोजना

भोपाल। प्रदेश के चार जिलों डिण्डोरी, मण्डला, छिन्दवाड़ा और शहडोल में रहने वाली विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा और भारिया में सिकल सेल के उपचार के लिये विशेष परियोजना चल रही है। यह परियोजना आयुष विभाग के सहयोग से संचालित हो रही है। आयुष विभाग के अंतर्गत शासकीय होम्यापैथी चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल द्वारा सिकल सेल एनीमिया की पहचान के लिये घर-घर जाकर स्क्रिनिंग टेस्ट किया गया। इसमें करीब 23 हजार से अधिक जनजातीय व्यक्तियों का परीक्षण किया गया। परीक्षण के बाद 2138 जनजातीय व्यक्ति सिकल सेल रोग से पॉजिटिव पाएँ गये। इन रोगियों का दोबारा परीक्षण कराये जाने पर 1656 व्यक्तियों में बीमारी की पुष्टि हुई। प्रभावित व्यक्तियों को रिसर्च टीम द्वारा होम्यापैथी दवाएँ दी गई। नियमित दवा देने के बाद प्रभावित व्यक्तियों को फायदा मिला है। इस बीमारी में प्रभावित व्यक्तियों में रक्त की कमी और दर्द की समस्या बनी रहती थी। दवा लेने से रोगियों को इससे छुटकारा मिला है। इन रोगियों को समय-समय पर खून चढ़ायें जाने की आवश्यकता होती थी, इससे भी उन्हें छुटकारा मिला है। इसके साथ ही इनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ी है। परियोजना के जिलों में सभी सिकल सेल रोगियों का नजदीक के स्वास्थ्य केन्द्र में लिंकेज का कार्य पूरा किया जा चुका है। लिंकेज कार्य पूरा होने से रोगियों को राज्य और केन्द्र सरकार की अन्य योजना का भी फायदा मिल रहा है। परियोजना में जिन रोगियों को होम्यापैथी की दवाइयाँ दी जा रही है, रिसर्च टीम द्वारा उनकी वर्तमान जीवन-शैली का नियमित अध्ययन भी किया जा रहा है। होम्योपैथी चिकित्सा महाविद्यालय के इस प्रोजेक्ट में विश्व स्वास्थ्य संगठन, एम्स, आईसीएमआर, भारतीय विज्ञान संस्थान और मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान भोपाल की रिसर्च कार्य में मदद ली जा रही है।

राज्य सरकार द्वारा न्यायालय की भाषा क्या होगी जानिए/Legal General knowledge....

किसी देश की भाषा और उसका साहित्य उस देश की सभ्यता और संस्कृति का दर्पण होता है,भारत विविधता में एकता का एक अनूठा उदाहरण हैं यहाँ विभिन्न जाति, धर्म एवं संस्कृति के लोग निवास करते हैं अतः विभिन्न भाषाओं का होना भी स्वाभाविक है इसलिए भारतीय संविधान की अनुसूची आठ में 22 भाषाओं को मान्यता प्राप्त है।

क्या हिन्दी भारत की राष्ट्रीयभाषा है जानिए-

राजभाषा बनाम राष्ट्रभाषा- कभी कभी यह कहा जाता है कि हिन्दी को संविधान के अधीन राष्ट्रीय भाषा के रूप में स्वीकार किया गया है। यह कथन बिल्कुल गलत है, संविधान के अधीन किसी भाषा को राष्ट्रीय भाषा के रूप में नहीं अपनाया गया है। इसके अधीन हिंदी को केवल राजभाषा के रूप में रखा गया है। अतः यह समझ लेना गलत होगा कि हिंदी हमारी राष्ट्रभाषा हैं।

न्यायालय की भाषा क्या होगी जानिए-

दण्ड प्रक्रिया संहिता,1973 की धारा 272 राज्य सरकार को यह शक्ति देती है की वह उच्च न्यायालय को छोड़कर अन्य सभी न्यायालय में अपने-अपने राज्य की भाषा का प्रयोग कर सकते हैं।

उच्च न्यायालय एवं उच्चतम न्यायालय की भाषा क्या होगी जानिए-

(i). भारतीय संविधान अधिनियम,1950 के अनुच्छेद 348 के अनुसार सुप्रीम कोर्ट एवं हाई कोर्ट में सभी कार्यवाही अंग्रेजी भाषा में होगी।

(ii). लेकिन राज्य का राज्यपाल राष्ट्रपति की अनुमति से राज्य के हाईकोर्ट में राज्य की भाषा का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत कर सकता है लेकिन निर्णय, डिक्री, आदेश आदि अंग्रेजी में ही होंगे।

(iii). राज्य सरकार या विधान-मंडल अधिनियम, विधेयक, नियम, विनियम आदि अपनी भाषा में दे सकता है लेकिन उनका अंगेजी में अनुवाद भी करना होगा।

सुप्रीम कोर्ट का महत्वपूर्ण जजमेंट जानिए-

मधु लिमये बनाम वेद मूर्ति- उक्त वाद में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका की सुनवाई के दौरान एक पक्षकार ने हिंदी में बहस करने की अनुमति मांगी इस पर विपक्षी की ओर से आपत्ति की गई कि उसे हिंदी का ज्ञान नहीं है अतः बहस अंगेजी में ही की जानी चाहिए। इस पर उच्चतम न्यायालय ने अभिनिर्धारित किया कि वह अंग्रेजी भाषा में ही बहस कर सकता है एवं वह किसी वकील को पैरवी के लिए रख सकता है या वह अंगेजी भाषा में लिखित बहस प्रस्तुत कर सकता है। अतः उच्चतम न्यायालय ने स्पष्ट कर दिया कि बहस सिर्फ अंगेजी भाषा में ही होगी।,, सामान्य शब्दों में अगर हम कहे तो राज्य सरकार जिला एवं सत्र न्यायालय,उसके अधीन अन्य कोई भी न्यायालय, सिविल न्यायालय आदि में अपने राज्य की स्थानीय भाषा का प्रयोग कर सकती है लेकिन हाई कोर्ट एवं सुप्रीम कोर्ट में सिर्फ अंगेजी भाषा का ही प्रयोग होगा।

- लेखक बीआर अहिरवार (पत्रकार एवं लॉ छात्र होशंगाबाद)
9827737665

आम नागरिक द्वारा लोकसेवक की आलोचना करना कब मानहानि का अपराध नहीं होगा जानिए/Legal advice.....

सरपंच से लेकर शासकीय अधिकारी जो जनता के लोक हित में कार्य करता है वह लोकसेवक होता है ऐसे लोकसेवक अपने पदीय कर्तव्यों का पालन नहीं करता है तो आम नागरिक उसकी आलोचना या उस पर कही प्रकार की टिप्पणिया करते हैं जो उनके मान सम्मान को क्षति पहुचाती है तब क्या लोकसेवक ऐसे आम नागरिक पर मानहानि का मुकदमा दायर कर सकता हैं या नहीं जानिए।

भारतीय दण्ड संहिता,1860 की धारा 499(अपवाद क्रमांक 01) की परिभाषा?

अगर कोई आम व्यक्ति किसी लोकसेवक की आलोचना,टिप्पणी आदि बिना किसी भेदभाव के या बिना किसी दुर्भावना के करता है तब यह मानहानि का अपराध नहीं होगा। आर्थात किसी लोकसेवक की उसके कर्त्तव्य पालन की आलोचना करना बिना भेदभाव के अपराध की श्रेणी में नहीं आता है।,

इसको हम जजमेंट द्वारा समझते हैं -

करतार सिंह बनाम ब्रिज प्रसाद राय- उक्त वाद में न्यायालय द्वारा कहा गया है कि यदि कोई व्यक्ति लोकसेवक का पद स्वीकार करता है तो उसे लोक कार्यो से सम्बंधित मामलों में टीका-टिप्पणी एवं आलोचनाओं को सुनने के लिए तैयार रहना चाहिए तथा इस प्रकार के आक्रमणों को आवश्यक किन्तु अप्रिय उपांग समझना चाहिये।

लेखिका श्रीमती ज्योति सिंह चौहान(महिला सामाजिक कार्यकर्ता एवं जिला ब्यूरो चीफ अलीगढ़)

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने वीर सपूत शहीद खुदीराम बोस की पुण्य-तिथि पर नमन किया

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी श्री खुदीराम बोस की पुण्य-तिथि पर नमन किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने निवास कार्यालय स्थित सभागार में उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। शहीद खुदीराम बोस मात्र 19 साल की उम्र में देश की स्वतंत्रता के लिए फाँसी चढ़ गए थे। कई विद्वानों के अनुसार वे देश के लिए फाँसी चढ़ने वाले सबसे कम उम्र के युवा क्रांतिकारी देशभक्त थे। उन्हें 11 अगस्त 1908 को फाँसी दी गई। उनका जन्म 3 दिसम्बर 1889 को मिदनापुर जिले में हुआ। वर्ष 1905 में बंगाल विभाजन के बाद खुदीराम बोस स्वाधीनता आंदोलन में कूद पड़े। वे रिवोल्यूशनरी पार्टी में शामिल हुए। वंदे-मातरम के पर्चे वितरित करने और अनेक क्रांतिकारी गतिविधियों में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। कोलकाता के मजिस्ट्रेट किंग्सफोर्ड पर बम फेंकने के प्रयास में दो यूरोपियन महिलाओं की मौत हो गई। खुदीराम बोस को गिरफ्तार कर मुकदमा चलाया गया और फिर फाँसी की सजा सुनाई गई।

चयनित तीन जिलों में 623 हेक्टेयर क्षेत्र में हुआ बाँस-रोपणः वन मंत्री डॉ. शाह

भोपाल। वन मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने कहा कि एक जिला-एक उत्पाद योजना में बाँस उत्पादन के लिए चयनित देवास, हरदा और रीवा जिले में पिछले वर्ष 623 हेक्टेयर क्षेत्र में बाँस का रोपण कराया जा चुका है। इसमें कृषि क्षेत्र में 263 हेक्टेयर क्षेत्र तथा मनरेगा योजना में 360 हेक्टेयर कृषि क्षेत्र में बाँस-रोपण का कार्य शामिल है। इस वित्त वर्ष के लिए इन तीनों जिलों में 1100 हेक्टेयर कृषि क्षेत्र, वन क्षेत्र में मनरेगा योजना से 250 हेक्टेयर क्षेत्र और वन विभाग की योजनाओं में 750 हेक्टेयर क्षेत्र में बाँस-रोपण का लक्ष्य दिया गया है। वन मंत्री डॉ. शाह ने बताया कि एक जिला-एक उत्पाद योजना में प्रदेश के 6 जिले चयनित किये गये हैं। इसमें बैतूल जिले में सागौन, अलीराजपुर एवं उमरिया जिले में महुआ और देवास, हरदा और रीवा जिले को बाँस उत्पादन के लिए शामिल किया गया है। बाँस के लिए चयनित इन तीन जिलों के लिए पाँच वर्षीय रोडमेप तैयार कर उपलब्ध बाँस संसाधनों के मुताबिक लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं।

वुडन क्लस्टर से 1600 व्यक्तियों को मिलेगा प्रत्यक्ष रोजगार

वन मंत्री डॉ. शाह ने बताया कि बैतूल जिले को सागौन उत्पादन के लिए चयनित किया गया है। जिले में वुडन क्लस्टर के लिए भूमि चयन प्रक्रिया में है। वुडन क्लस्टर के लिये 71 निवेश कलाओं द्वारा तकरीबन 87 करोड़ रूपए निवेश कर इकाइयाँ चयनित की जायेंगी। इन इकाइयों से 1600 व्यक्तियों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा। इसी तरह अलीराजपुर और उमरिया जिले में महुआ उत्पाद के लिए हितग्राहियों का चयन, प्रक्रिया में है। इन दोनों जिलों में वनोपज के उत्पादन के लिए बाह्य स्थलीय वृक्षा-रोपण कराया जाएगा।

जिला पंचायत अध्यक्ष/उपाध्यक्ष के भाजपा मयी शपथ समारोह का निर्दलीय जिला पंचायत सदस्य ने की बहिष्कार

युवा प्रदेश नेटवर्क्र
रिपोर्ट - कैलाश कुमार अहिरवार

शहडोल। जिला पंचायत अध्यक्ष उपाध्यक्ष के भाजपा मयी शपथ समारोह का किया बहिष्कार जिला पंचायत सीईओ ने दिलाई जिला पंचायत कार्यालय में अलग से शपथ शहडोल जिला पंचायत सदस्य अंजू गौतम रैदास द्वारा प्रेस विज्ञप्ति में ये बताया गया। कि जिला पंचायत

कार्यालय में दोपहर 12ः00 बजे से शपथ समारोह होगा पर यहां आने पर पता चला कि माननीय अध्यक्ष महोदय द्वारा यह कार्यक्रम मानस भवन में दोपहर 3ः00 बजे संपन्न होगा।जब मैं पहुँची तो वहां पर भी लगभग 2 घंटे विलंब से कार्यक्रम शुरू हुआ । कार्यक्रम में भाजपा पदाधिकारियों के द्वारा कार्यक्रम में खूब रंगा चंगा किया गया था देखकर ऐसा प्रतीत हुआ कि यह कार्यक्रम पंचायत का नहीं बल्कि भारतीय जनता पार्टी का

कार्यक्रम है इसे देखकर मुझे अत्यंत दुख हुआ कि जो संस्था राजनीतिक दलों से मुक्त रखी गई है वहां पर भी भाजपा का हस्तक्षेप है मेरे द्वारा निर्वाचित होते समय यह नहीं कहा गया था कि मैं किसी राजनीतिक दल की हूं और इसलिए किसी राजनीतिक मंच से शपथ लेना जनता के साथ धोखा देना कहलाता है मेरे द्वारा जिला पंचायत में जिला पंचायत सीईओ से शपथ ली गई ताकि जनता की अपेक्षाओं को पूर्ण करने और अपने संकल्पों पर कायम रह सकू।

धनपुरी नगरपालिका वार्ड क्र.10 की पार्षद उमा चौधरी द्वारा सावन के आखिरी सोमवार पर मानस पाठ कर विशाल भंडारे का किया गया आयोजन

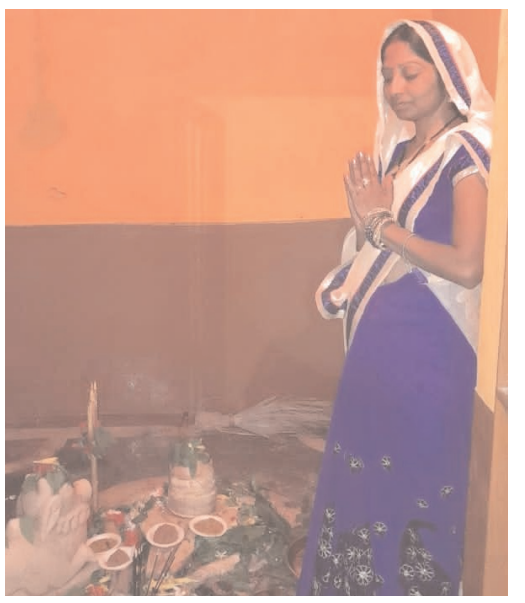

शहडोल/धनपुरी। सावन के आखिरी सोमवार के शुभ अवसर अमराडंडी वार्ड क्र. 10 की निर्दलीय पार्षद उमा चौधरी पति पूर्व पार्षद कालीचरण चौधरी द्वारा अमराडंडी वार्ड क्र.10 शिव मंदिर टंडन दफाई में रामायण मानस पाठ कराया गया मानस पाठ के समाप्ति के बाद खिचड़ा एवं हलवा के भंडारे का वितरण शुरू किया गया दूर-दूर से भोलेनाथ के भक्तों ने आकर प्रसाद ग्रहण किया पूजा को सफल बनाने में अहम भूमिका रही केसु गुप्ता रवि गुप्ता जे.पी. बंटी कोल देवराज सूरज विवेक अंशु अर्जुन प्रजापति आदित्य चौधरी धनेश्वर चौधरी आदि।

साथ आयें

साथ आने की
शुरुआत हो,
दुरियां मिटाने की
जज़्बात हो,
न्याय हमे मिल जायेगा
बस हमारे एकता
के हालात हो,
साथ आने की
शुरुआत हो
दुरियां मिटाने की
जज़्बात हो,
* टुकड़ों में बंटकर हम
क्षीण हो रहे हैं,
बेमकसद -बेमतलब की
भीड़ हो रहे हैं,
दुश्मन चालाक है,जो एकता
मे दृढ़ हो रहे हैं,
हम सबमे भी साथी
वही बात हो,
साथ आने की
शुरुआत हो,
दुरियां मिटाने की
जज़्बात हो,
मेरा कार्य ही अच्छा है।
मेरा कार्य ही सच्चा है।
इस सोच से बचना होगा
मिलकर प्रयास करें सब
ऐसा सोच बनाना होगा
समता समानता और
प्रेम बंधुत्व भाईचारा की
चहुंओर बरसात हो,
साथ आने की
शुरुआत हो,
दुरियां मिटाने की
जज़्बात हो,
अधिकार सारे मिल जायेगा
एकता के हालात हो

-हरीश पांडल
विचार क्रांति

एक नया रिश्ता जुड़ता हैं,

जब एक नया दोस्त बनता है।
हम लड़ते है झगड़ते है फिर मिलते है
हम अकेले ही मजबूत होते है ,
पर ताकत और दुगुनी हो जाती है,
जब कोई दोस्त साथ होता है।
खुशियां बांटने से और दुगुनी होती है,
जब उसे बांटने कोई दोस्त साथ होता है।
अपनी परेशानी का बोझ सर पर होता है ,
लेकिन दोस्त जब कहता है मैं तेरे साथ हूं ,
दुःख आधा होता है।
दिलों में दर्द और आंखों में आसूं होते है ,
जब कोई दोस्त दूर होता है।

वैशाली नारनवरे छिंडवाड़ा

छात्र-छात्राओं ने बनाई आकर्षक हर घर तिरंगा आकृति

भोपाल। हर घर तिरंगा अभियान में नीमच जिला प्रशासन और हेल्पिंग हैंड्स सोसायटी, नीमच की प्रेरणा और सहयोग से छात्र-छात्राओं ने मानव श्रंखला के रूप में आकर्षक हर घर तिरंगा आकृति बनाई। उल्लेखनीय है कि नीमच शहर के विभिन्न विद्यालयों के हजारों छात्र-छात्राओं ने कलेक्टर नीमच की उपस्थिति में हर घर तिरंगा अभियान में जन-जागरूकता पर केन्द्रित आकर्षक आकृति बनाकर 13 से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा फहराने का संदेश दिया। यह आकर्षक आकृति नीमच नगर के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-2 के परिसर में बनाई गई, जिसने सम्पूर्ण जिले में ÷हर घर तिरंगा÷ अभियान का संदेश पहुँचान में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। छात्र-छात्राओं की इस अद्भुत कलाकृति को जिसने भी देखा, उसने मुक्त कंठ से सराहा।

शासकीय महिला पॉलीटेक्निक महाविद्यालय, सीहोर (म.प्र.)

(डॉ. बाबा साहब अम्बेडकर योजनान्तर्गत संचालित)
मध्यप्रदेश की अनुसूचित जाति वर्ग की छात्राओं हेतु निःशुल्क प्रवेश प्रारंभ
संचालित त्रिवर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम एवं पात्रता

मार्डन ऑफिस मैनेजमेंट (M.O.M.)
(किसी भी विषय में कक्षा 12वीं उत्तीर्ण)

प्रवेश सत्र 2022.23

कम्प्यूटर साइंस एण्ड इंजीनियरिंग (C.S.E.)
(कक्षा 10वीं गणित एवं विज्ञान के साथ उत्तीर्ण)

प्रवेश हेतु आवश्यक प्रमाण पत्र :-

1 अंकसूची
2 स्थानांतरण प्रमाण पत्र (टी0सी0)
3 जाति प्रमाण पत्र
4 मध्यप्रदेश मूल निवासी प्रमाण पत्र
5 अभिभावक की वार्षिक आय 1.80 लाख प्रति वर्ष

उपलब्ध विशेष सुविधाऐं :-

1. छात्राओं को निःशुल्क छात्रावास एवं भोजन उपलब्ध रहेगा।
2. प्रति छात्रा प्रति सेमेस्टर रू0 2000/- की स्टेशनरी एवं पुस्तकें निःशुल्क प्राप्त होंगी।
3. राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय,भोपाल की परीक्षा शुल्क की प्रतिपूर्ति की जावेगी।
4. प्रत्येक छात्रा को जिसकी उपस्थिति कक्षाओं में 80 प्रतिशत से अधिक होगी उन्हें रू0 1000/- प्रतिमाह छात्रवृत्ति/प्रोत्साहन राशि प्राप्त होगी।

प्रवेश प्रक्रिया :-

https://dte.mponline.gov.in पर डॉ0 बाबा साहब अम्बेडकर योजनांतर्गत डिप्लोमा पाठ्यक्रम के अंतर्गत रजिस्ट्रेशन करवाना है एवं प्रवेश की कार्यवाही निम्न चरणों में की जाना है :-

प्रथम चरण

गतिविधियॉ	दिनांक/समय
ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन/ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन निरस्त	05/08/2022 से 16/08/2022 सायं 5:00 बजे तक
इच्छित संस्थाओं के प्राथमिकता क्रम का ऑनलाईन चयन कर लॉक करना प्राथमिकता क्रम (Choice Filling) में परिवर्तन की सुविधा अंतिम दो दिन उपलब्ध रहेगी	08/08/2022 से 20/08/2022 रात्रि 11:45 बजे तक
कॉमन मेरिट सूची की उपलब्धता सूची	21/08/2022
आवंटन पत्रों की ऑनलाईन उपलब्धता/आवंटित संस्था में उपस्थिति, आंवटित संस्था में मूल दस्तावेजों का सत्यापन एवं प्रवेश	26/08/2022 से 31/08/2022 सायं 5:00 बजे तक

द्वितिय चरण

गतिविधियॉ	दिनांक/समय
ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन/ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन निरस्त	27/08/2022 से 04/09/2022 सायं 5:00 बजे तक
इच्छित संस्थाओं के प्राथमिकता क्रम का ऑनलाईन चयन कर लॉक करना प्राथमिकता क्रम (Choice Filling) में परिवर्तन की सुविधा अंतिम दो दिन उपलब्ध रहेगी	28/08/2022 से 08/09/2022 रात्रि 11:45 बजे तक
कॉमन मेरिट सूची की उपलब्धता सूची	09/09/2022
आवंटन पत्रों की ऑनलाईन उपलब्धता/आवंटित संस्था में उपस्थिति, आंवटित संस्था में मूल दस्तावेजों का सत्यापन एवं प्रवेश	14/09/2022 से 19/09/2022 सायं 5:00 बजे तक

संस्था स्तर की काउंसलिंग (CLC)

ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन	इच्छित संस्था में प्रवेश का अवसर प्राप्त करने के लिये उपस्थित होना
03/09/2022 से 27/09/2022 रात्रि 11:45 बजे तक	29/09/2022 से 30/09/2022 प्रातः 10:30 बजे

उपरोक्त काउंसलिंग उपरान्त रिक्त रह गई सीटों के लिये

03/10/2022 से 08/10/2022 रात्रि 11:45 बजे तक	10/10/2022 से 11/10/2022 प्रातः 10:30 बजे
12/10/2022 से 15/10/2022 रात्रि 11:45 बजे तक	18/10/2022 प्रातः 10:30 बजे
19/10/2022 से 25/10/2022 रात्रि 10:00 बजे तक	25/10/2022 प्रातः 10:30 बजे

सम्पर्क सूत्र :- प्रो0 डी0आर0 वर्मा (मो0 9826944591), प्रो0 प्रमोद शर्मा (मो0 9425511223), प्रो0 परवेज़ खान (मो0 8109120037), प्रो0 महेन्द्र अहिरवार (मो0 9827630103), प्रो0 संजय राठौर (मो0 9713960788), प्रो0 श्वेता यादव (मो0 9109270358), प्रो0 विश्वास बगवैया (मो0 9827220431), प्रो0 शाजिया खान (मो0 9977457488), प्रो0 शक्ति तिवारी (मो0 9691360834), श्री ओ0पी0 विश्वकर्मा, (मो0 9993211836), श्री चंद्रपाल सिंह राजपूत (मो0 8717971761), श्री हेमंत अम्बुलकर (मो0 9977205763)

डॉ0 पंकज जैन
प्राचार्य
मो0 9827046409

मोहर्रम पर्व पर निकले ताजिए

ब्यावरा। जिले भर में परम्परागत तरीके से मुस्लिम समाज द्वारा मोहर्रम पर्व मनाया। जिले के ब्यावरा, राजगढ एवं सारंगपुर सहित कई जगहो पर मातमी धुन के साथ ताजियों का जुलूस निकाला गया। सोमवार की रात को एवं मंगलवार की रात को जुलूस ब्यावरा के इमाम बाडे एवं मोमन मोहल्ला स्थित हुसैनी चौक से निकाला गया जो नगर के प्रमुख मार्गो में आया जहां पर परम्परा के अनुसार ताजियों का मिलाप हुआ व बाद में अपने अपने गंतव्य पर पहुंचे। बुधवार की सुबह ताजियों का विसर्जन भी परम्परा गत तरीके से शहर ब्यावरा में किया जाएगा। सांरगपुर में भी ताजियों का जुलूस निकाला गया। मातमी धुन के साथ ताशा पार्टी ने ताजियों के जुलूस में आकर शोभा बढाई।

नशा मुक्ति भारत अभियान के अंतर्गत शपथ दिलाई गई

पत्रकार बीआर अहिरवार

नर्मदापुरम। कहते हैं नशा नाश का द्वार होता है, भारत नशा मुक्ति अभियान का भी उद्देश्य यह हैं की व्यक्ति को नशा से मुक्त किया जाए इस लिए आज शासकीय कन्या शिक्षा परिसर पवारखेड़ा(नर्मदापुरम) में नशा मुक्ति भारत अभियान के अंतर्गत शाला प्राचार्या श्रीमती जॉयस सोलोमन के मार्गदर्शन पर छात्रों को नशा मुक्ति पर शपथ दिलाई गई इस अवसर पर छात्राओं सहित शिक्षक श्री एस डी मिश्रा, श्री पंकज रस्तोगी, श्री चंद्रेश मालवी, श्री प्रकाश सिंह राजपूत, श्री कमलेश नामदेव, श्री राजेश चौधरी, श्री विष्णु अहिरवार,

श्री विष्णु यादव, श्री तरुण मेहरा, श्री यू एस राठौर, श्रीमती निधि चतुर्वेदी, अतिथि शिक्षक में श्रीमती कृष्णा द्विवेदी, श्रीमती शीतल सेन एवं बालकराम अहिरवार द्वारा शपथ ली गई।

छ.ग.श्रमजीवी पत्रकार कल्याण संघ की अनूठी पहल बना मिशाल

बहनों को मिठाई भी बांटी

माताओ व बहनो ने दी दुआये

कोरिया। कोरिया के सभी ब्लाक तहसील मे आज रक्षाबंधन के पावन पर्व पर छ. ग. श्रमजीवी पत्रकार कल्याण संघ जिला कोरिया इकाई द्वारा रक्षाबंधन के पावन पर्व पर बहनों के लिए पूरे जिले के विभिन्न स्थानों में आने जाने हेतु निःशुल्क वाहन की व्यवस्था कल्याण संघ द्वारा करवाई गई,कल्याण संघ के द्वारा विगत वर्षो से रक्षाबंधन पर यह सुविधा उपलब्ध करायी जा रही है ,संघ के समस्त कार्यकता? अपना इस सामाजिक कार्य में पूर्ण योगदान देते है। वही संगठन के प्रदेश अध्यक्ष श्री बी डी निजामी ने बताया की पत्रकार कल्याण संघ के सभी पदाधिकारी और सदस्य पत्रकारिता के साथ साथ सामाजिक दायित्वों का भी निर्वहन करें, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य कृष्णा सिंह बाबा ने बताया की इस कार्यक्रम का उद्देश्य उन बहनों की सेवा है जिनके पास खुद के साधन उपलब्ध नहीं है वह बहनो को काफी दूर पैदल चलकर राखी का त्यौहार मनाने आना जाना पड़ता हैं हमारा यह छोटा सा प्रयास है कि हम आज के दिन बहनों की सेवा करके अपने आपको धन्य समझें, पूर्व संभाग अध्यक्ष विवेकानंद पांडे जी ने बताया की कल्याण संघ सदैव जनहित में कार्य करता रहा है और आगे भी करता रहेगा,जिलाध्यक्ष कोरिया सुरेश मिनोचा ने बताया

हम भले ही पत्रकार हैं पर सामाजिक दायित्व निभाना हमारा प्रथम कर्तव्य है व हम इस पर खरे उतरने की कोशिश कर रहे है7इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए छ.ग.श्रमजीवी पत्रकार कल्याण संघ प्रदेश कार्यकारी सदस्य कृष्णा सिंह बाबा,खगेन्द्र यादव,पूर्व संभाग अध्यक्ष विवेकानंद पांडे, कोरिया के जिलाध्यक्ष सुरेश मिनोचा, महासचिव राजकुमार केसरवानी,उपाध्यक्ष अशोक कुजूर,ब्लॉक अध्यक्ष मनेंद्रगढ़ रविन्द्र सोनी, ब्लॉक सचिव नागेन्द्र दुबे, ब्लॉक सह सचिव राजेश सिन्हा,ब्लॉक उपाध्यक्ष यीशै दास, ब्लॉक अध्यक्ष सोनहत उमेश तिवारी ,राजू शर्मा, दामोदर सिंह, भगवान दास,राहूल वल्लभ,सहित कल्याण संघ के सभी साथियों का भरपूर योगदान रहा।

हर घर तिरंगा में विभिन्न गतिविधियों के साथ प्रदेश हुआ तिरंगामय

राष्ट्रीय ध्वज के प्रति चौतरफा जन-जागरण जारी

भोपाल। आजादी के अमृत महोत्सव में हर घर तिरंगा अभियान प्रदेश में पूरे जोश के साथ संचालित हो रहा है। राजधानी भोपाल सहित सभी नगरों और ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न गतिविधियों के चलते पूरा प्रदेश तिरंगामय दिख रहा है। इन गतिविधियों में अनेक नवाचार भी हुए हैं, जिन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियाँ हासिल की है। इसमें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा तिरंगे के इतिहास पर स्कूली छात्र-छात्राओं की ली गई क्लास, भोपाल की बड़ी झील में क्रूज पर फहराया गया तिरंगा, सभी नगरों से लेकर पंचायत स्तर पर तिरंगा यात्रा, रैली, पौध-रोपण, रक्तदान, मेडिटेशन के साथ देशभक्ति को प्रर्दशित करती मानव श्रंखला एवं छात्र-छात्राओं द्वारा निर्मित राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे की आकृति शामिल हैं। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की प्रदेशवासियों से अभियान को सफल बनाने में जन-भागीदारी की अपील काफी कारगर साबित हुई है। इसके परिणामस्वरूप अभियान में मंत्रि-परिषद के सदस्य, सांसद, विधायक और पंचायत एवं नगरीय निकायों के नव-निर्वाचित जन-प्रतिनिधि, सामाजिक संस्थाओं, व्यापारियों, धर्मगुरूओं सहित शासकीय विभागों और स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थियों द्वारा पिछले एक सप्ताह से सक्रिय भागीदारी निभाई जा रही है। ÷हर घर तिरंगा÷ के लिये प्रतिदिन हो रही गतिविधियों ने पूरे प्रदेश को तिरंगामय कर दिया है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने जन-प्रतिनिधियों, समाज के हर वर्ग के नागरिकों, छात्र-छात्राओं, समाज-सेवी संगठनों से कहा है कि देश ने संघर्ष, त्याग, तपस्या और बलिदान से आजादी पाई है। आजादी के संघर्ष में अपना सर्वस्व बलिदान कर देने वाले शहीद,स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का स्मरण कर उनसे प्रेरणा लेने के लिये प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। उन्होंने कहा कि ÷हर घर तिरंगा%% अभियान ने आनंद और उत्साह से आजादी का पर्व मनाने का अवसर प्रदान किया है। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से 13 से 15 अगस्त की अवधि में अपने घर में तिरंगा झण्डा लहराने की अपील की है। राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा के प्रति प्रदेशवासियों को जागरूक करने की जा रही विभिन्न गतिविधियों से प्रदेश के हर नागरिक के दिल और दिमाग में राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान और देश-भक्ति का जज्बा पैदा हुआ है। नगर से लेकर गाँव तक आमजन ने तिरंगे को आन-बान-शान से अपने घर पर लहराने का संकल्प लिया है। प्रदेश के महिला स्व-सहायता समूह द्वारा बड़ी मात्रा में तिरंगे बनाये जा रहे हैं।

कारोबारी ने पत्नी के खिलाफ दर्ज कराई एफआईआर

दोस्त को भी बनाया सह-आरोपित

भोपाल। राजधानी के शाहपुरा इलाके में आकृति ईको सिटी में रहने वाले एक कारोबारी की शिकायत पर उनकी पत्नी और पत्नी के परिचित एक युवक पर मामला दर्ज किया है। कारोबारी ने अपनी पत्नी पर आरोप लगाया है कि वह घर से जेवरात समेत पांच लाख रुपये की नकदी लेकर चली गई है। उन्होंने पत्नी और युवक के खिलाफ शिकायती आवेदन दिया था। आवेदन की जांच के बाद पुलिस ने पत्नी के खिलाफ अमानत में खयानत समेत जान से मारने की धमकी देने का प्रकरण दर्ज किया है।

एसआइ संध्या शुक्ला के मुताबिक आकृति इको सिटी निवासी प्रांजल सिंह (46) पेशे से कारोबारी हैं। उनकी शादी 12 साल पहले हुई थी। पत्नी मीनू सिंह और उनका एक बेटा भी है। प्रांजल सिंह ने बताया कि उनकी पत्नी की कृष्णकांत नामक व्यक्ति से पहचान हो गई। विगत 27 जून को उनकी पत्नी घर से अचानक लापता हो गई। प्रांजल सिंह का आरोप है कि पत्नी अपने साथ जेवरात और पांच लाख रुपये की नकदी लेकर गई है। उक्त जेवरात और रुपये प्रांजल ने पत्नी को संभालकर रखने के लिए दिए थे।

गौतम नगर में महिला की संदिग्ध मौत

उधर, गौतम नगर इलाके में रहने वाली 35 साल की रानी खान की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। महिला के ससुराल और मायके वाले दोनों पोस्टमार्टम कराने को तैयार नहीं थे। महिला के स्वजन उसकी मृत्यु को लेकर सही जानकारी नहीं दे पा रहे थे। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले में जांच शुरू कर दी है।

विधायक रामबाई के सूने आवास में चोरों ने लगाई सेंध

भोपाल। राजधानी के टीटीनगर थाना क्षेत्रांतर्गत 74 बंगला जैसे अति सुरक्षित क्षेत्र में अज्ञात बदमाशों ने दमोह के पथरिया क्षेत्र की विधायक रामबाई के शासकीय आवास में घुसकर ताले तोड दिए और कीमती सामान समेत जेवरात पर हाथ साफ कर फरार हो गए। जब विधायक सोमवार को दमोह से आवास पर पहुंचीं तब चोरी का पता चला। उनके कार चालक ने टीटी नगर थाने में एफआइआर दर्ज कराई है। टीटीनगर के एसआइ बीएस पटेल के मुताबिक 38 वर्षीय जितेंद्र चौहान पथरिया से विधायक रामबाई के वाहन चालक हैं। वह 19 जुलाई को 74 बंगला के शासकीय आवास बी-23 में ताला लगाकर दमोह चले गए थे। इस दौरान बंगला बंद था। रविवार को वह विधायक रामबाई के साथ वापस भोपाल आए तो देखा कि आवास के ताले टूटे पडे थे और घर से किराना सामान के अलावा कीमती सामान गायब था। इसकी रिपोर्ट थाने में की है।

इस माह प्रत्येक शनिवार व रविवार को खुले रहेंगे बिजली बिल भुगतान केंद्र

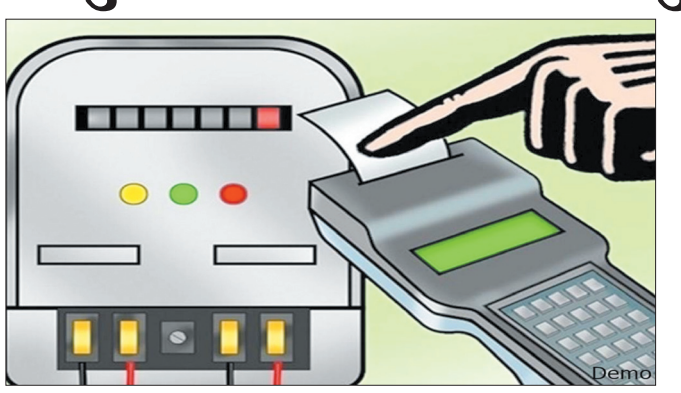

भोपाल। उपभोक्ता अगस्त माह में प्रत्येक शनिवार व रविवार को भी बिल की राशि का नगद भुगतान कर सकते हैं। इन दोनों दिनों के अलावा भी अवकाश के दिनों में बिल भुगतान केंद्र खुले रखे जाएंगे। बिजली कंपनी के प्रबंध संचालक गणेश शंकर मिश्रा ने सभी वितरण केंद्रों को इसके निर्देश जारी कर दिए हैं। उपभोक्ताओं की सुविधाओं को देखते हुए यह निर्णय लिया है। वहीं बिलों का आनलाइन भुगतान करने वालों के लिए भी बिजली कंपनी ने पूर्व से रियायत दे रखी है। ऐसे उपभोक्ता जो आनलाइन भुगतान करेंगे, उन्हें 5 रुपये से लेकर 550 रुपये तक की छूट दी जाएगी। यह छूट प्रोत्साहन राशि के रूप में दी जाएगी।

बता दें कि बिजली कंपनी ने बिलों के भुगतान के लिए अलग-अलग प्लेटफार्म उपलब्ध कराएं हैं।

बिजली उपभोक्ता बिल का नगद भुगतान कर सकेंगे

नगद भुगतान करने वाले उपभोक्ता अपने आसपास के वितरण केंद्रों पर बिल की राशि भुगतान कर सकते हैं। इन्हें तुरंत रसीद दी जा रही है, जो कि आनलाइन रसीद होती है। बिल जमा करते ही वह सिस्टम में अपडेट भी हो जाता है। पूर्व में यह बिल चौबीस घंटे में अपडेट किया जाता है।

कंपनी ने कुछ केंद्रों पर एटीपी मशीनें भी उपलब्ध कराई हैं। ये ऐसी मशीनें है जिनकी मदद से उपभोक्ता स्वयं बिल की राशि जमा कर सकते हैं। इन मशीनों का उपयोग पूर्व की तुलना में बढ़ा है। ग्रामीण क्षेत्रों में कंपनी ने बिजली कर्मचारियों को भी वसूली अधिकर्ता के रूप में चिन्हित किया है।

आदिवासी समुदाय के बच्चों के बीच बिस्किट एवं टॉफी वितरण भी किया

आदिवासी समाज प्रकृति व संस्कृति का संरक्षक हैः विधायक भार्गव

विदिशा। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी विदिशा ग्रामीण द्वारा आदिवासी बाहुल्य ग्राम छीरखेड़ा में विश्व आदिवासी दिवस मनाया गया। यहां विधायक शशांक श्रीकृष्ण भार्गव सहित कांग्रेस नेताओं ने आदिवासी समुदाय के ग्राम के वृद्धजनों का पुष्प माला से स्वागत किया गया एवं ग्रामीणजनों को घर पर तिरंगा फहराने के लिए निशुल्क झंडा वितरण भी किया गया। आदिवासी समुदाय के बच्चों के बीच बिस्किट एवं टॉफी वितरण भी किया गया। कार्यक्रम के उपरांत मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर 9 अगस्त से 15 अगस्त तक आदिवासी ग्रामों में पदयात्रा निकालने के निर्देश के तारतम्य में ग्राम छीरखेड़ा से ग्राम टोरी टिगरा स्तिथ संत आश्रम तक पदयात्रा निकाली गई। अंत में विधायक भार्गव ने उपस्थित सभी लोगों को जल, जंगल, जमीन के संरक्षण का संकल्प दिलाया एवं हनुमानजी के मंदिर में प्रसादी वितरण कर यात्रा का समापन हुआ।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक शशांक श्रीकृष्ण भार्गव ने कहा कि आदिवासी समाज प्रकृति व संस्कृति के संरक्षक हैं। यह समाज जल, जंगल, जमीन की रक्षा करता है। साथ ही भाषा एवं संस्कृति की रक्षा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आदिवासी समाज

हमारे देश की झलक है। आदिवासी समाज के युवाओं को विकास एवं अधिकार के लिए आगे आना होगा। जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष बाबूलाल वर्मा, डॉ. शैलेंद्र कटारिया, आशा सिंह राजपूत, नरेंद्र रघुवंशी, अजय कटारे, गोविंद राजपूत ने संबोधित करते हुए कहा आज के युवाओं को प्रकृति पूजक आदिवासी समुदाय से प्रकृति के संरक्षण का सबक सीखना चाहिए। अगर प्रकृति संरक्षित रहेगी तो ही मानव जीवन संरक्षित रहेगा। इस अवसर पर कांग्रेस नेता दीवान किरार, वीरेंद्र राजपूत, शिवशंकर शर्मा, विजयकांत रैकवार, संतोष गुर्जर, परमाल सिंह राजपूत, धर्मेंद्र जादौन, ओपी शर्मा, महेंद्र बारके, मनोज कुशवाह, जालम सिंह लोधी, कमलेश पटेल, मधुकर राव, गुट्टी भैया, महेश जाटव, खिलान सिंह शाक्य, राजकुमार डिडोत, रामबाबू कर्ण, हरिओम किरार, बाबू पाल सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

टीएल बैठक आज होगी

विदिशा। कलेक्टर उमाशंकर भार्गव के द्वारा प्रत्येक सोमवार को आयोजित होने वाली लंबित आवेदनों की समीक्षा बैठक आज दस अगस्त को आयोजित की गई है कि जानकारी देते हुए अपर कलेक्टर वृंदावन सिंह ने बताया कि बुधवार को नवीन कलेक्ट्रेट के बेतवा सभागार कक्ष में टीएल बैठक प्रातः साढ़े दस बजे से शुरू होगी।

मिठाइयों में अमानक चांदी वर्क और वस्तुओं के यूज की आशंका

अधिकारी बोले-करेंगे सैंपलिंग

नरसिंहपुर। त्यौहारी सीजन शुरू हो चुका है। मुनाफाखोरी के लिए मिठाइयों में अमानक चांदी वर्क और वस्तुओं के उपयोग की आशंका भी बनी हुई है। लेकिन बावजूद इसके अभी जिले के खाद व औषधि विभाग का अमला फील्ड से नदारद बना हुआ है। जिसके कारण व्यापारी भी बेफिक्र नजर आ रहे हैं।

एक जानकारी के मुताबिक जिले में मिठाईयों के कारोबार से जुड़े कई बड़े व्यापारी हैं। जिनके सेल काउंटर के अलावा बड़ी-बड़ी निर्माण ईकाईयां भी संचालित होती है और इनमें पूरे साल भर मिठाईयों का निर्माण कार्य चलता रहता है। इन व्यापारियों द्वारा प्रत्येक त्यौहारी सीजन के लिए काफी पहले से तैयारियां शुरू कर दी जाती है। जबकि इस संबंध में जानकारों का कहना है कि मिठाई जैसे खाद्य पदार्थों की उम्र ही दो से तीन दिन तक रहती है इसके बाद उनके खराब होने की संभावना बन जाती है। ऐसी परिस्थिति में पूर्व से की तैयारियों में मिठाइयों को खराब होने से बचाने के लिए प्रिजरवेटिव के साथ उन्हें आकर्षक बनाने के लिए अमानक पदार्थों जैसे चाइनीज चांदी वर्क,अखाद्य रंगों के इस्तेमाल की आशंका बनी रहती है।

इनका कहना है

सामान्य रूप से मिठाई दुकानों के निरीक्षण की कार्रवाई लगातार चलती रहती है। त्यौहारी सीजन को देखते हुए कलेक्टर के निर्देशों के अनुरूप निरीक्षण में तेजी लाई जा रही है। जिसके तहत अभी ग्रामीण क्षेत्रों में जांच की कार्रवाई की जा रही है। इसके बाद जल्द ही विभाग की टीम द्वारा शहरी क्षेत्रों में फोकस करते हुए सैंपलिंग और निरीक्षण किया जाएगा।

अमित गुप्ता, खाद्य व औषधि विभाग निरीक्षक

जनपद पंचायत में सचिव, जीआरएस की हुई बैठक

विदिशा। आगामी 13 अगस्त से 15 अगस्त के बीच विदिशा जनपद पंचायत के प्रत्येक घर में तिरंगा फहराने को लेकर अभियान चलाया जा रहा है। उसी को लेकर मंगलवार को जनपद सभागार में एक बैठक आयोजित की गई। जिसमें सचिव, जीआरएस, एपीओ, पीसीओ भी शामिल रहे।

बिजली संशोधन बिल का कर्मचारियों एवं अधिकारियों ने किया विरोध

शहडोल। केंद्र सरकार द्वारा बिजली संशोधन बिल पेश किए जाने का बिजली विभाग के कर्मचारियों ने जमकर विरोध किया है। बिजली संशोधन बिल को लेकर शहडोल में भी बिजली विभाग के अधिकारी और कर्मचारी सोमवार को हड़ताल पर रहे इनके हड़ताल पर रहने के कारण कामकाज प्रभावित हुआ। सुबह 10 बजे से यूनाइटेड फोरम के बैनर तले बिजली विभाग के अधिकारी और कर्मचारी नारे लगाते हुए विद्युत विभाग कार्यालय परिसर में जमा हुए और केंद्र सरकार के खिलाफनारेबाजी की।

बरसात में सड़कों पर गोवंश के विचरने की समस्या बढ़ी

दुर्घटनाग्रस्त हो रहे वाहन चालक

भोपाल। राजधानी में बरसात आने के बाद सड़कों पर बेसहारा गोवंश की संख्या बड गई है। इससे प्रतिदिन शहर में वाहन चालकों के दुर्घटनाग्रस्त होने की शिकायतें आ रही हैं। नगर निगम के काल सेंटर में भी बीते छह महीने में 1800 से अधिक मामले पहुंचे हैं, लेकिन निगम के गोवर्धन शाखा के कर्मचारी इसका समाधान नहीं कर पा रहे हैं, जिससे समस्याएं जस की तस हैं और राहगीर प्रतिदिन परेशान हो रहे हैं। बता दें कि नगर निगम की गोवर्धन शाखा के कर्मचारी भी सक में घमने वाले दुधारू मवेशियों को ही पकडते हैं, जिससे पशुपालकों से मोटा जुर्माना वसूला जा सके। लेकिन निकृष्ट गोवंश और बैलों पर कोई कार्रवाई नहीं की जाती है। ऐसे में शहर की सड़कों पर घूमते और कूडा खाते मवेशियों के नजारे आम हो गए हैं। इनमें बैल और बछडे के साथ गायें भी शामिल हैं। जिन्हें अनुत्पादक होने की इनके मालिक सडकों पर बेसहारा छोड देते हैं। भेल, शाहपुरा, बैरागड, लादखेडी, करोंद, भानपुर, कोलार और पुराने शहर समेत अन्य स्थानों पर इन जानवरों को सड़क पर जमघट लगा रहता है।

युवक की पसलियों में आई थी गंभीर चोट

तेज रफ्तार बाइक फिसलकर डिवाइडर से टकराई, युवक की मौत

भोपाल। राजधानी में गांधीनगर के नरसिंहगढ तिराहा पर रविवार देर रात एक बाइक अनियंत्रित होकर फिसल गई। अनियंत्रित बाइक फिसलकर डिवाइडर से भी टकराई थी। हादसे के समय बाइक पर तीन युवक सवार थे। हादसे के बाद तीनों अपने अपने घर चले गए। घर पहुंचने पर एक युवक की पसली में दर्द हुआ और परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां सोमवार सुबह युवक की मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक माजिद खान पिता बबलू खान (22) मुरली नगर करोंद में रहता था। वह प्राइवेट काम करता था। रविवार को माजिद मोहल्ले में रहने वाले तारिक और अरनाज के साथ बाइक से घूमने निकला था। तीनों वीआइपी रोड घूमकर आए और देर रात अपने घर की तरफ लौट रहे थे। इस दौरान वह नरसिंहगढ तिराहा पहुंचे थे।

तिराहे पर अचानक बाइक अनियंत्रित हो गई और तीनों बाइक समेत डिवाइडर में जा घुसे। डिवाइडर से टकराने के बाद बाइक पर पीछे बैठे तारिख और अरनाज उछलकर दूर गिरे थे, जबकि बाइक के साथ माजिद डिवाइडर पर गिरा था। इस हादसे में उसकी पसली में गंभीर चोट आई थी और हड्डी टूट गई थी।

घर से परिजन ले गए अस्पताल

हादसे के बाद तीनों उठकर अपने-अपने घर चले गए थे। देर रात पसली में तेज दर्द होने के बाद परिजन माजिद को लेकर हमीदिया अस्पताल पहुंचे, वहां इलाज के दौरान सोमवार सुबह माजिद की मौत हो गई। हादसे में दोनों दोस्तों को मामूली चोट आई है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

कुशीनगर एक्सप्रेस में पांच माह बाद भी चादर-कंबल की सुविधा नहीं

भोपाल। यदि आप कुशीनगर एक्सप्रेस के वातानुकूलित कोचों में सफर करने जा रहे हैं तो साथ में चादर, कंबल, तकिया व तौलिया लेकर चलें। ऐसा इसलिए, क्योंकि रेलवे बोर्ड के कहने के बावजूद अधिकारियों ने उक्त ट्रेन में यह सुविधा बहाल नहीं की है। यही एक अकेली ट्रेन नहीं है, बल्कि और भी ट्रेनें हैं, जिनमें लिनेन किट नहीं मिल रही है। इसकी वजह से रोजाना हजारों यात्री परेशान हो रहे हैं। रात के सफर में ठंड से कंपकंपाना पड रहा है। जहां चादर, कंबल की आपूर्ति का ठेका नए सिरे से चालू नहीं होने के कारण यह सुविधा बंद है।

बता दें कि कुशीनगर एक्सप्रेस रोजाना भोपाल व रानी कमलापति रेलवे स्टेशन से होकर गुजरती है। यह उत्तर पूर्वी रेलवे के लखनऊ जंक्शन रेल मंडल की ट्रेन है। यह लोकमान्य तिलक से लेकर गोरखपुर के बीच 1693 किलोमीटर का सफर तय करती है। जिसमें करीब 30.30 घंटे लगते हैं। इस ट्रेन में बगैर चादर, कंबल लेकर चढने वाले यात्रियों को कंपकंपना पढ रहा है। खासकर रात के समय में ज्यादा दिक्कत हो रही है। वैसे भी वर्षा का समय चल रहा है। उल्लेखनीय है कि रेलवे बोर्ड पांच माह पहले लिनेन की सुविधा बहाल कर चुका है। अधिकतर ट्रेनों में मार्च के अंत से यह सुविधा मिलने लगी है। कुशीनगर जैसी कुछ ट्रेनों में यह सुविधा अभी भी नहीं दी जा रही है। इन ट्रेनों के वातानुकूलित श्रेणी के कोचों में केंद्रीय वातानुकूलित सिस्टम लगे रहते हैं, जो कोच को ठंडा रखते हैं। जिनमें यात्रियों के पास चादर, कंबल होना अनिवार्य है।

यात्री परेशान

सुविधा पर यात्रियों का अधिकार

ट्रेनों के वातानुकूलित कोचों में चादर, कंबल की सुविधा पाना रेल यात्रियों का अधिकार है। इस सुविधा को कोरोना महामारी के कारण बंद किया था। रेलवे बोर्ड ने मार्च के पहले हफ्ते में कहा था कि यह सुविधा जितनी जल्दी हो सभी ट्रेनों में बहाल कर दी जाए।

लाभ

भू-अभिलेख आयुक्त ने ई-खसरा परियोजना की लागू

अब आनलाइन पा सकते हैं खसरे की नकल, किसानों को होगी सहूलियत

भोपाल। राष्ट्रीय भू-अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम के अन्तर्गत आयुक्त भू-अभिलेख एवं बन्दोबस्त ने ई-खसरा परियोजना को लागू किया है। इसके तहत अधीक्षक भू-अभिलेख, तहसीलदार नायब तहसीलदार एवं समस्त पटवारियों की आइडी मोडिफिकेशन व अपडेशन कार्य के लिए बनाई गई है।

परियोजना के अन्तर्गत अनुबंधित फर्म द्वारा सभी तहसीलों में आइटी सेन्टर स्थापित किए गए हैं। जिनसे किसानों को उनकी मांग अनुरूप प्रमाणित खसरा बी-1, नक्शा की प्रतिलिपियां नियत शुल्क प्रति पृष्ठ 30 रुपये लेकर उपलब्ध कराई जा

रही है। कृषक अपने खाते की नकल, खेत का अक्स विभागीय बेवसाइट पर जाकर निःशुल्क देख सकते है।

किसान 15 अगस्त तक अपनी फसल की जानकारी स्वयं दर्ज करवा सकते हैं। उनके लिए एमपी किसान एप की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। किसान की इस जानकारी का आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस एवं पटवारी से सत्यापन होगा। इस जानकारी का उपयोग फसल हानि, न्यनतम समर्थन मूल्य योजना, भावांतर योजना, किसान क्रेडिट कार्ड और कृषि ऋण में किया जायेगा। आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश और आत्म-निर्भर किसान के मंत्र पर राज्य सरकार का यह किसान हितैषी निर्णय है। एमपीकिसान एप को गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड किया जा सकता है। किसान इस एप को डाउनलोड करने के बाद इस पर लॉगिन कर फसल स्व-घोषणा, दावा, आपत्ति ऑप्शन पर क्लिक कर अपने खेत को जोड सकते हैं।

खाता जोडने के लिये प्लस ऑप्शन पर क्लिक कर जिला, तहसील, ग्राम, खसरा आदि का चयन कर एक या अधिक खातों को जोडा जा सकता है। खाता जोडने के बाद खाते के समस्त खसरा की जानकारी एप में उपलब्ध होगी। उपलब्ध खसरा की जानकारी में से किसी भी खसरे पर क्लिक करने पर एआइ के माध्यम से जानकारी उपलब्ध होगी।

संपादकीय

श्रीलंका और पाकिस्तान की तरह बांग्लादेश के भी बिगड़ रहे हैं आर्थिक हालात

श्रीलंका और पाकिस्तान की विकट आर्थिक स्थिति पिछले कुछ माह से चल ही रही है और अब बांग्लादेश भी उसी राह पर चलने को मजबूर हो रहा है। जिस बांग्लादेश की आर्थिक प्रगति दक्षिण एशिया में सबसे तेज मानी जा रही थी, वह अब अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के सामने पाकिस्तान की तरह झोली फैलाने को मजबूर हो रहा है। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने भी ढाका का खाली चक्कर लगा लिया लेकिन इस समय बांग्लादेश इतने बड़े कर्ज में डूब गया है कि 13 हजार करोड़ रु. का कर्ज चुकाने के लिए उसके पास कोई इंतजाम नहीं है। प्रधानमंत्री शेख हसीना ने ताइवान के मसले पर चीन को मक्खन लगाने के लिए कह दिया कि वह 'एक चीन नीति' का समर्थन करता है लेकिन वांग यी ने अपनी जेब जरा भी ढीली नहीं की। अंतरराष्ट्रीय कर्ज चुकाने और विदेशी माल खरीदने के लिए हसीना सरकार ने तेल पर 50 प्रतिशत टैक्स बढ़ा दिया है। रोजमर्रा के इस्तेमाल की चीजों के दाम कम से कम 10 प्रतिशत बढ़ गए हैं। लोगों की आमदनी काफी घट गई है। कोरोना की महामारी ने बांग्लादेश के विदेश व्यापार को भी धक्का पहुंचाया है। बांग्ला टका याने रुपए का दाम 20 प्रतिशत गिर गया है। इस देश में 16-17 करोड़ लोग रहते हैं लेकिन टैक्स भरने वालों की संख्या सिर्फ 23 लाख है। इस साल तो वह और भी घटेगी। अभी तक ऐसा लग रहा था कि पूरे दक्षिण एशिया में भारत के अलावा बांग्लादेश ही आर्थिक संकट से बचा है लेकिन अब वहां भी श्रीलंका की तरह जनता ने बगावत का झंडा थाम लिया है। ढाका के अलावा कई शहरों में हजारों लोग सड़कों पर उतर आए हैं। इसमें शक नहीं कि विरोधी नेता इन प्रदर्शनों को खूब हवा दे रहे हैं लेकिन असलियत यह है कि श्रीलंका और पाकिस्तान की तरह बांग्ला जनता भी अपने ही दम पर अपना गुस्सा प्रकट कर रही है। बांग्लादेश की मदद के लिए उससे गाढ़ी मित्रता गांठने वाला चीन भी दुबका हुआ है लेकिन शेख हसीना की सही सहायता इस समय भारत ही कर सकता है। पिछले 30 साल में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से पाकिस्तान ने 12 बार, श्रीलंका ने 6 बार और बांग्लादेश ने सिर्फ 3 बार कर्ज लिया है। भारत ने इन तीन दशकों में उससे कभी भी कर्ज नहीं मांगा है। भारत के पास विदेशी मुद्रा कोष पर्याप्त मात्रा में है। वह चाहे तो पाकिस्तान, श्रीलंका और बांग्लादेश को अराजकता से बचा सकता है। इस समय इन देशों को धार्मिक आधार पर अपने परिवार का बताने वाले कई मुस्लिम और बौद्ध राष्ट्र भी कन्नी काट रहे हैं। ऐसी विकट स्थिति में भारत इनका त्राता सिद्ध हो जाए तो पूरे दक्षिण और मध्य एशिया के 16 राष्ट्रों को एक वृहद् परिवार में गूंथने का काम भारत कर सकता है।

नीतीश की यूटर्न वाले नेता की छवि क्या 2024 में उनकी राह में रोड़े नहीं अटकायेगी?

विपक्ष के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि नीतीश कुमार प्रधानमंत्री बनने की आकांक्षा रखने वाले नेताओं में से एक हैं और इनमें पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के अलावा कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी शामिल हैं। जनता दल (यू) के राष्ट्रीय संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने पटना में कहा, ÷यदि आप देश में शख्सियतों का आकलन करें, तो नीतीश कुमार प्रधानमंत्री बनने के योग्य हैं। हम आज कोई दावा नहीं कर रहे हैं, लेकिन उनमें प्रधानमंत्री बनने के सभी गुण हैं।'' राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता शरद यादव ने भी कहा कि नीतीश कुमार 2024 के लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार हो सकते हैं।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के भारतीय जनता पार्टी से नाता तोड़ने के बाद, एक बार फिर उन्हें कुछ लोगों द्वारा 2024 के आम चुनाव में विपक्ष की ओर से प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार कहा जाने लगा है। लेकिन ज्यादातर विपक्षी दल अब भी जद (यू) नेता को उनके कई %यू-टर्न% के मद्देनजर संदेह की नजर से देखते हैं।

विपक्ष के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि नीतीश कुमार प्रधानमंत्री बनने की आकांक्षा रखने वाले नेताओं में से एक हैं और इनमें पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के अलावा कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी शामिल हैं। जनता दल (यू) के राष्ट्रीय संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने पटना में कहा, ÷यदि आप देश में शख्सियतों का आकलन करें, तो नीतीश कुमार प्रधानमंत्री बनने के योग्य हैं। हम आज कोई दावा नहीं कर रहे हैं, लेकिन उनमें प्रधानमंत्री बनने के सभी गुण हैं।'' राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता शरद यादव ने भी कहा कि नीतीश कुमार 2024 के लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार हो सकते हैं। हालांकि, नीतीश कुमार ने अगले लोकसभा चुनावों में उनके प्रधानमंत्री पद के लिए चेहरा होने से जुड़े सवालों का जवाब देने से इनकार कर दिया। राजद नेता तेजस्वी यादव ने नीतीश कुमार को ÷पलटू राम÷ कहा था, जब वह 2017 में राजद-जद (यू)-कांग्रेस महागठबंधन से बाहर हो गए थे और भाजपा से हाथ मिला लिया था। शिवसेना नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि जहां तक भ्रष्टाचार के आरोपों का सवाल है, नीतीश कुमार का राजनीतिक सफर बेदाग रहा है, लेकिन एक बात जो उनके खिलाफ है, वह कई बार गठबंधन बदलते रहे हैं। राज्यसभा सदस्य चतुर्वेदी ने कहा, नीतीश कुमार एक ऐसे सहयोगी रहे हैं, जो अक्सर अपना मन बदलते रहते हैं। एक चीज उनके खिलाफ है, वह है भरोसा...।'' उन्होंने कहा कि उद्धव ठाकरे भी भाजपा के खिलाफ मजबूती से खड़े रहे और बतौर मुख्यमंत्री अपने कार्यकाल के दौरान खासकर कोविड-19 महामारी के समय स्वच्छ प्रशासन दिया। उन्होंने कहा, विपक्ष में कई योग्य नेता हैं और

यह 2024 में देखा जाएगा कि चीजें किस प्रकार आकार लेती हैं। वाम और तृणमूल कांग्रेस के नेताओं ने बिहार के घटनाक्रम का स्वागत किया, लेकिन नीतीश कुमार के प्रधानमंत्री बनने की संभावनाओं पर कोई

भाजपा के राज्यसभा सदस्य विवेक ठाकुर ने नीतीश कुमार के राजग से बाहर जाने को छुटकारा मिलना'' करार दिया।

टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। राकांपा नेता मजीद मेमन ने कहा कि नीतीश कुमार, शरद पवार और ममता बनर्जी सहित उन कुछ लोगों में से एक हो सकते हैं, जिन्हें 2024 में प्रधानमंत्री पद के लिए उम्मीदवार के रूप में देखा जा सकता है। राज्यसभा के पूर्व सदस्य मेमन ने कहा, कुछ क्षेत्रीय नेता हैं। नीतीश कुमार भी उनमें से एक हैं। निश्चित रूप से, वह एक दावेदार हैं। लेकिन अंतत- यह एक सर्वसम्मत फैसला होगा कि भाजपा को कौन चुनौती देगा। कभी नीतीश कुमार के करीबी रहे जद (यू) के पूर्व नेता आरसीपी सिंह ने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री भले ही सात जन्म ले लें, लेकिन वह कभी भी प्रधानमंत्री नहीं बन पाएंगे। भाजपा के राज्यसभा सदस्य विवेक ठाकुर ने नीतीश कुमार के राजग से बाहर जाने को छुटकारा मिलना'' करार दिया। उन्होंने कहा, नीतीश कुमार की महत्वाकांक्षा की कोई सीमा नहीं है। वह न तो बिहार और न ही अपनी पार्टी के लिए काम करते हैं, वह केवल अपनी महत्वाकांक्षा पूरी करने के लिए काम करते हैं। हालांकि, प्रधानमंत्री पद के लिए कोई रिक्ति नहीं है।'' भाजपा नेता ने कहा कि नीतीश कुमार के राजनीतिक जीवन पर वेब सीरीज पलटू राम पार्ट 1, पार्ट 2 और पार्ट 3 बनाई जा सकती है। कांग्रेस से निलंबित नेता संजय झा ने कहा कि 2024 में ममता बनर्जी की तुलना में नीतीश कुमार संयुक्त विपक्ष के उम्मीदवार के तौर पर अधिक स्वीकार्य चेहरा होंगे।

सरकारें बदलने की कला में माहिर

देखा जाये तो बिहार के मौजूदा राजनीतिक घटनाक्रम के साथ ही नीतीश कुमार ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि वह सरकारें बदलने की कला में माहिर हैं। बिहार का मौजूदा राजनीतिक घटनाक्रम, कुछ लोगों के लिए 2017 में हुई घटनाओं का पुन- पलटना है। उन्होंने 2017 में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नीत महागठबंधन को छोड़ दिया था और फिर से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत गठबंधन में शामिल हो गए थे। कई लोगों के लिए यह महाराष्ट्र में हुई घटनाओं का दोहराव है जहां शिवसेना-कांग्रेस-राकांपा सरकार को हटाकर भाजपा ने शिवसेना से बगावत करने वाले विधायकों के साथ सरकार बना ली। मौलाना आजाद इंस्टीट्यूट ऑफ एशियन स्टडीज के पूर्व प्रोफेसर व राजनीति विज्ञान के जाने माने विशेषज्ञ रणबीर समद्दर ने कहा, बिहार महाराष्ट्र के सिक्के का दूसरा पहलू बन गया है। धर्मनिरपेक्ष समाजवादी मंच को छोड़ कर दक्षिणपंथी पार्टी के साथ जाने और बाद में उसे भी छोड़ कर वापस आने जैसे कदमों से नीतीश कुमार की सुशासन वाले व्यक्ति के रूप में छवि भले ही प्रभावित हुई हो लेकिन असंभव को संभव करने की उनकी राजनीतिक क्षमता निश्चित रूप से कम नहीं हुई है। सीपीआईएमएल (एल) के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य ने कहा, अगर वह अपने नए कदम के साथ उस गति को कायम रखते हैं... तो बिहार में 2024 का आम चुनाव भाजपा के लिए संघर्ष का वास्तविक मैदान साबित होगा, जहां 40 महत्वपूर्ण सीटें हैं।'' रिकॉर्ड आठवीं बार बिहार के मुख्यमंत्री बनने जा रहे नीतीश कुमार (71) ने अपना सफर बिहार विद्युत बोर्ड में एक इंजीनियर के रूप में शुरू किया था और बाद में वह समाजवादी नेता राम मनोहर लोहिया के तहत राजनीति में शामिल हो गए और 1970 के दशक में जयप्रकाश नारायण के आंदोलन में भाग लिया। समाजवादी पार्टी के कई विभाजन और विलय के बाद, नीतीश कुमार ने जनता दल (यूनाइटेड) का गठन किया। जद (यू)-भाजपा गठबंधन ने बिहार में समाजवादी लालू प्रसाद के राजद के लंबे शासन को समाप्त करने की कोशिश की और मार्च 2000 में, नीतीश कुमार पहली बार राज्य के मुख्यमंत्री बने। लेकिन उनकी सरकार अल्पकालिक थी क्योंकि राजग के पास पर्याप्त संख्या नहीं थी। नीतीश कुमार बाद में अटल बिहारी वाजपेयी सरकार में शामिल हुए और रेल मंत्री के रूप में अच्छे प्रशासक साबित हुए। उन्होंने अन्य पहलों के साथ कम्प्युटरीकृत रेलवे आरक्षण की शुरुआत की थी। पिछड़े कुर्मी समुदाय से आने वाले नीतीश कुमार को 2005 में फिर से मुख्यमंत्री चुना गया और इस बार उनके पास सरकार में बने रहने के लिए पर्याप्त संख्या थी। 'सुशासन बाबू' के रूप में मशहूर कुमार ने पिछड़े राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति में सुधार किया। उन्होंने राज्य के बुनियादी ढांचे और शैक्षणिक संस्थानों में भी सुधार किया।

क्या बंगाल में ममता को खेला से ही जवाब देगी बीजेपी ? ऑपरेशन लोटस से कैसे बचेगी TMC?

शुभेंदु अधिकारी के दावों को तृणमूल कांग्रेस हंसी में तो उड़ा रही है लेकिन उसे ध्यान रखना चाहिए कि अभी कुछ समय पहले फिल्म अभिनेता और भाजपा नेता मिथुन चक्रवर्ती ने दावा किया था कि तृणमूल कांग्रेस के 38 विधायक उनके सीधे संपर्क में हैं। क्या अब पश्चिम बंगाल में चल रहा है ऑपरेशन लोटस? यह सवाल इसलिए उठा है क्योंकि पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने दावा किया है कि इस साल दिसंबर के बाद राज्य में तृणमूल कांग्रेस सरकार का अस्तित्व नहीं रहेगा। यही नहीं शुभेंदु अधिकारी ने यह भी दावा किया है कि 2024 में होने वाले लोकसभा चुनावों के साथ ही पश्चिम बंगाल में विधानसभा के चुनाव भी कराये जायेंगे। शुभेंदु अधिकारी ने पूर्व मेदिनीपुर जिले के तामलुक में संवाददाताओं से बातचीत के दौरान कहा कि राज्य से तृणमूल कांग्रेस सरकार को हटाने की तैयारी की जा रही है। जब संवाददाताओं ने ज्यादा कुरेद कर बात की तो भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने कहा, ''कुछ महीने रुकिए, यह सरकार पश्चिम बंगाल में सत्ता में नहीं रहेगी।%% उल्लेखनीय है कि पिछले कुछ महीनों में शुभेंदु अधिकारी ने बार-बार दावा किया है कि विपक्षी दलों द्वारा शासित राज्यों झारखंड, राजस्थान और पश्चिम बंगाल में महाराष्ट्र जैसी स्थिति होगी। हम आपको यह भी याद दिला दें कि शुभेंदु अधिकारी ने अभी हाल ही में दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ मुलाकात के बाद कहा था कि केंद्र सरकार बूस्टर डोज अभियान खत्म होने के बाद सीएए के नियम लागू करेगी। यही नहीं भाजपा विधायक असीम सरकार ने तो दावा कर दिया है कि संशोधित नागरिकता कानून दिसंबर तक लागू होने की संभावना है। शुभेंदु अधिकारी ने अपनी दिल्ली यात्रा के दौरान केंद्र सरकार को बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाले में कथित रूप से शामिल 100 लोगों की सूची सौंप कर जांच कराने की मांग भी की थी। यह जांच हुई तो तृणमूल कांग्रेस के कई नेता और सरकारी अधिकारी कठघरे में आ सकते हैं। शुभेंदु अधिकारी के दावों को तृणमूल कांग्रेस हंसी में तो उड़ा रही है लेकिन उसे ध्यान रखना चाहिए कि अभी कुछ समय पहले फिल्म अभिनेता और भाजपा नेता मिथुन चक्रवर्ती ने दावा किया था कि तृणमूल कांग्रेस के 38 विधायक उनके सीधे संपर्क में हैं। पश्चिम बंगाल के राजनीतिक हालात को देखें तो साफ प्रतीत होता है कि जिस तरह पार्थ चटर्जी मामले से तृणमूल कांग्रेस सरकार की छवि खराब हुई है उसको देखते हुए पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं की चिंता बढ़ी है। यही नहीं हाल ही में ममता बनर्जी ने जब अपने मंत्रिमंडल का विस्तार किया तो जो लोग मंत्री नहीं बन पाये या जिनकी मंत्री पद से छुट्टी कर दी गयी है वह भी नाराज बताये जा रहे हैं।

भारत छोड़ो आंदोलन ने युवाओं को बड़ी संख्या में अपनी ओर आकर्षित किया था

9 अगस्त 1942 को अंग्रेजों भारत छोड़ो के नारे के साथ महात्मा गांधी के आह्वान पर शुरू हुए आंदोलन ने अंग्रेजी हुकूमत की नींव हिलाने का काम किया था। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में निर्णायक भूमिका निभाने वाले इस आंदोलन में पूरे देश के लोगों की व्यापक भागीदारी रही थी। अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन के शुरू होने के कुछ समय बाद ही गांधीजी को गिरफ्तार कर लिया गया था। लेकिन देश भर के युवा कार्यकर्ताओं ने हड़तालों और तोड़फोड़ की कार्रवाइयों के जरिए आंदोलन को जिंदा रखा। इस आंदोलन ने देखते ही देखते ऐसा रूप ले लिया था कि अंग्रेजी सत्ता को दमन के सभी उपाय नाकाफी साबित होने लगे थे। 9 अगस्त 1942 को दिन निकलने से पहले ही कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सभी सदस्य गिरफ्तार हो चुके थे और कांग्रेस को गैरकानूनी संस्था घोषित कर दिया गया। गांधी जी के साथ भारत कोकिला सरोजिनी नायडू को यरवदा पुणे के आगा खान पैलेस में, डॉ. राजेंद्र प्रसाद को पटना जेल व अन्य सभी सदस्यों को अहमदनगर के किले में नजरबंद किया गया था। सरकारी आंकड़ों के अनुसार इस जनान्दोलन में 942 लोग मारे गये, 1630 घायल हुए, 18 हजार डीआईआर में नजरबंद हुए तथा 60 हजार 229 गिरफ्तार हुए। जयप्रकाश नारायण, अरूणा आसफ अली व मदनलाल बागड़ी का इस क्रांति में अविस्मरणीय योगदान रहा था। 6 अगस्त 1925 को ब्रिटिश सरकार का तख्ता पलटने के उद्देश्य से बिस्मिल के नेतृत्व में हिन्दुस्तान प्रजातंत्र संघ के दस जुझारू कार्यकर्ताओं ने काकोरी कांड किया था। जिसकी यादगार ताजा रखने के लिए पूरे देश में हर साल 9 अगस्त को काकोरी काण्ड स्मृति-दिवस मनाया जाता था। इस दिन बहुत बड़ी संख्या में नौजवान एकत्र होते थे। गांधी जी ने एक सोची-समझी रणनीति के तहत 9 अगस्त 1942 का दिन चुना था। दूसरे विश्व युद्ध में इंग्लैंड को बुरी तरह उलझता देख जैसे ही नेताजी सभाषचंद्र बोस ने आजाद हिन्द फौज को दिल्ली चलो का नारा दिया।

लोकल जायकों से लेकर मनोरंजन तक की सुविधा

प्रदेश के गांव में रुक सकेंगे पर्यटक, होम स्टे बनाने ग्रामीणों को 2 लाख मिलेंगे

भोपाल। मध्यप्रदेश में पर्यटकों को गांव में रात रुकने और ठहरने का मौका मिलेगा। प्रदेश की संस्कृति से रूबरू कराने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा ग्रामीण पर्यटन परियोजना के तहत ग्रामीणों को 2 लाख रुपए तक मिलेंगे। परियोजना के पहले चरण में पर्यटन स्थलों के पास वाले 100 गांवों में कार्य किया जा रहा है। इन गांवों में पर्यटकों को ग्रामीण परिवेश का अनुभव उपलब्ध कराने के लिए आवासीय सुविधा के साथ-साथ विभिन्न पर्यटन गतिविधियों का संचालन किया जाएगा।

1 हजार घरों में बनेंगे होम स्टे

इसमें एक हजार परिवारों के माध्यम से पर्यटकों को आवासीय सुविधा प्रदान करने के लिए होम स्टे कमरों का नवीन निर्माण/उन्नयन किया जाएगा। इस प्रकार 100 गांवों में अधोसंरचना निर्माण में मप्र टूरिज्म विभाग द्वारा वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। विकास के लिए चयनित गांवों में होम स्टे निर्माण/उन्नयन की स्थापना लागत का 40त्न प्रतिशत अनुदान, नवीन होम स्टे निर्माण के लिए अधिकतम 2 लाख रुपए तथा विकसित करने के लिए अधिकतम 1 लाख 20 हजार रुपए दिया जाता है। ग्रामीण पर्यटन अंतर्गत स्थापित होम स्टे को मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा संचालित चारों योजनाओं (मध्यप्रदेश ग्राम स्टे योजना (पंजीयन तथा नियमन) योजना 2919/ मध्यप्रदेश फार्म स्टे योजना (पंजीयन तथा नियमन) योजना 2019 / मध्यप्रदेश बेड एंड ब्रेकफास्ट स्थापना (पंजीयन तथा नियमन) योजना 2019 / मध्यप्रदेश होमस्टे स्थापना (पंजीयन तथा नियमन) योजना 2010 (संशोधित 2018) में से नियमानुसार संबंधित योजना में पंजीयन कराना होगा। परियोजना के पहले चरण में लगभग 100 गांवों में पर्यटकों को ग्रामीणों को परिवेश का अनुभव कराने के लिए पर्यटन गतिविधियां संचालित की जाएगी

यह सुविधाएं रहेंगी

- ठहरने की उत्तम व्यवस्था
- स्थानीय भोजन
- स्थानीय कला एवं हस्त कला
- लोकसंगीत एवं नृत्य
- स्थानीय खेल कूद
- कौशल उन्नयन

इसमें हर गांव लगभग 10 परिवार के हिसाब से 1 हजार परिवारों में पर्यटकों को आवासीय सुविधा प्रदान करने के लिए एक हजार होमस्टे कक्षों का निर्माण/विकसित किया जाएगा। इससे प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 20 हजार ग्रामीण परिवारों को रोजगार मिलेगा। ग्रामीण पर्यटन परियोजना के प्रमुख घटकों में ठहरने की उत्तम व्यवस्था, स्थानीय भोजन, स्थानीय कला एवं हस्तकला, लोक संगीत एवं नृत्य, स्थानीय खेलकूद और कौशन उन्नयन शामिल है।

बेहतर होगी सुविधा

15 अगस्त के बाद, 3 घंटे में ही आपको मिल जाएगा परमानेंट ड्राइविंग लाइसेंस

भोपाल। एडीशनल ट्रांसपोर्ट कमिश्नर अरविंद सक्सेना का कहना है कि इस व्यवस्था को एनआईसी के अफसर देख रहे परिवहन विभाग अब परमानेंट ड्राइविंग लाइसेंस (डीएल) तीन घंटे के भीतर बनाकर देने की तैयारी में है। इसके लिए आवेदकों को एक स्ट्रीम के करीब 300 रु. ज्यादा देने होंगे। यानी यदि किसी वाहन चालक को दो के साथ चार पहिया वाहन का डीएल चाहिए तो उसे तय फीस के अलावा दोनों स्ट्रीम के 300-300 के हिसाब से 600 रुपए अतिरिक्त देना होंगे। पहले चरण में उन्हें डीएल दिए जाएंगे, जिन्होंने किसी मान्यता प्राप्त ड्राइविंग स्कूल से गाडी चलाना सीखा है और इसका उनके पास सर्टिफिकेट है। एडीशनल ट्रांसपोर्ट कमिश्नर अरविंद सक्सेना का कहना है कि इस व्यवस्था को एनआईसी के अफसर देख रहे हैं। उन्हें सॉफ्टवेयर में परिवर्तन करने व सिस्टम के अपग्रेडेशन के निर्देश दे दिए गए हैं। 15 अगस्त के बाद डाटा इंटीग्रेशन सहित अन्य कार्य पूरे होते ही शुरुआत की जा सकती है।

भोपाल आरटीओ में अभी हर दिन 300 डीएल बनाए जाते हैं। साथ ही 150 डीएल का रिन्यूअल, एंडोर्समेंट, इंटरनेशनल ड्राइविंग परमिट आदि बनाया जाता है। आरटीओ संजय तिवारी का कहना है कि अभी इस ऑन स्पॉट सिस्टम को भोपाल सहित 8 जिलों में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू कर रहे हैं। इसके बाद अन्य 25 जिलों में शुरू करेंगे।

इस तरह होगी प्रक्रिया

- जिन के पास लर्निंग लाइसेंस होगा वे डीएल के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे।
- ऑनलाइन आवेदन के दौरान ऑन स्पॉट का ऑप्शन www.mptransport.org पोर्टल पर आएगा, जिस पर क्लिक करना होगा।
- लर्निंग लाइसेंस के डिटेल्स के आधार पर प्रति स्ट्रीम 300 रुपए आवेदक को ऑनलाइन फीस का अतिरिक्त भुगतान करना होगा।
- जिनके पास ड्राइविंग स्कूल का सर्टिफिकेट है, उन्हें आरटीओ में टेस्ट नहीं देना होगा। अन्य वाहन चालकों का टेस्ट लिया जाएगा।

संत हिरदाराम नगर में आज़ादी का अमृत महोत्सव भव्य रूप से मनाने का निर्णय

भोपाल। आज़ादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर संत हिरदाराम नगर में एक विशाल तिरंगा रैली निकालने का निर्णय लिया गया है। रैली 13 अगस्त शनिवार को सुबह 10 बजे हेमू कालानी बालक उ. मा. विद्यालय से निकलेगी। इस संबंध में तैयारियों को लेकर मंगलवार को बैठक हुई। नवयुवक सभा में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में तैयारियों की समीक्षा की गई। बैंकर्स क्लब के अध्यक्ष गुलाब जेठानी ने बताया कि रैली में मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल, नवनिध हासोमल लखानी पब्लिक स्कूल, दीपमाला पगारानी संस्कार पब्लिक स्कूल, क्राइस्ट मेमोरियल स्कूल, के टी शाहाणी हा. से. स्कूल, ए.टी.शाहाणी हायर सेकेंडरी, साधु वासवानी स्कूल, ओम विद्या मंदिर स्कूल के बच्चे भाग लेंगे। रैली को विधायक रामेश्वर शर्मा हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। बच्चों को तिरंगे झंडे उपलब्ध कराए जाएंगे ।रैली कालिका मंदिर तक जाकर वापस आयेगी। रैली में गणमान्य नागरिक भारत माता के जयकारे लगाते हुए चलेंगे। बैठक मे विष्णु गेहाणी, साबूमल रीझवानी, पार्षद राजेश हिंगोरानी, वासुदेव वाधवानी, महेश दयारामानी, दीनू वाधवानी, चंदू इसरानी, कन्हैयालाल इसरानी, गुलाब जेठानी, नारायण दास तोलानी, डॉ निशा सक्सेना, राकेश हरपलानी, प्रकाश आसूदानी, सुरेन्द्र मोतियानी, हरीश मूलानी, अजय सक्सेना आदि उपस्थित थे। रैली में तीन खुली जीप रहेंगी। आगे वाली जीप पर भारत माता का चित्र और तिरंगे झंडे लगे होंगे। सबसे आगे राष्ट्रभक्ति गीतों के साथ डीजे चलेगा, 2 बग्गियां जिनमें स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के स्वरूप में बच्चे रहेंगे, जगह जगह पर उनका फूलों से स्वागत किया जाएगा, कई स्वागत द्वार बनाए जाएंगे। राष्ट्रभक्ति से सराबोर यह रैली बच्चों के मन में देश प्रेम का भाव जागृत करेगी। कार्यक्रम की रूपरेखा कमल प्रेमचन्दानी द्वारा रखी गई।

14 अगस्त से करें पारदर्शी दीवारों वाले विस्टाडोम कोच में सफर

भोपाल। घुमावदार कुर्सियां और पारदर्शी दीवारों वाले आधुनिक विस्टाडोम कोच में सफर करने के इच्छुक यात्रियों का इंतजार खत्म होने वाला है। रेलयात्री 14 अगस्त से इस कोच में सफर कर सकेंगे। इस दिन से कोच को जनशताब्दी एक्सप्रेस में जोड़ा जाएगा। यह ट्रेन रोजाना शाम को 5.40 बजे रानी कमलापति से चलती है और रात 12 बजे जबलपुर पहुंचती है। कोच में सफर के लिए जल्द ही बुकिंग शुरू की जाएगी। इसका किराया शताब्दी के एक्जीक्यूटिव श्रेणी के किराये से 1.1 प्रतिशत अधिक होगा। रेलवे के अधिकारी जल्द ही इस कोच को यात्री आरक्षण प्रणाली में शामिल कराने कराने की कशेशिश कर रहे हैं। प्राप्त जानकारी के मुताबिक इस आधुनिक कोच को ट्रेन के सबसे पीछे लगाया जाएगा। इसे चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग हरी झंडी दिखाएंगे। इस मौके पर अन्य जनप्रतिनिधि, डीआरएम सौरभ बंदोपाध्याय समेत रेलवे के वरिष्?ठ अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहेंगे। जब ट्रेन होशंगाबाद रेलवे स्टेशन पहुंचेगी तो वहां कलेक्टर स्थानीय जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों के साथ स्वागत करेंगे। यहीं से उक्त कोच में 25 गणमान्य नागरिक सवार होंगे, जो पिपरिया तक सफर करेंगे।

संत सिद्धभाऊ ने कहा- बेटियों का सम्मान करने का वचन उपहार में लें

भोपाल। रक्षाबंधन प्रेम और स्नेह का त्यौहार है। यह उपहार लेने का दिन नहीं है। बहिनों को राखी बांधने के बाद भाइयों से सभी बेटियों का सम्मान करने का वचन उपहार में लें। रक्षाबंधन कैसे मनाएं विषय पर व्याख्यान देते हुए संत हिरदारामजी के उत्तराधिकारी संत सिद्धभाऊ ने यह बात कही। नवनीध सभागार में बडी संख्या में छात्राएं शामिल हुईं। भाऊ ने कहा कि सादगी और पवित्रता से पर्व मनाएं। किसी अनजान व्यक्ति को राखी बांधने के बजाय अपने सगे भाई को ही राखी बांधने का प्रयास करें। भाऊ ने कहा कि रक्षाबंधन पर घर में बने पकवान और मिठाईयों का सेवन करने का प्रयास करें क्यों कि बाहर के खाद्य पदार्थ आपको बीमार कर सकते हैं। वैसे भी हमें बाहर के कचौडी, समासे आदि नहीं खाने चाहिए। स्वस्थ रहने के लिए अंकुरित आहार खाने की आदत डालें। भाऊ ने छात्राओं से प्रतिदिन समाचार पत्र पढने का आह्वान भी किया। समारोह को संबोधित करते हेमू कालानी शिक्षण संस्थान के सचिव एसी साधवानी ने कहा कि रक्षाबंधन का पर्व भाई बहिन के पवित्र रिश्ते का त्यौहार है। हमें संकल्प लेना चाहिए कि एक दूसरे का मान-सम्मान करेंगे। घर के सभी सदस्यों का सम्मान करना हमारा दायित्व होना चाहिए। अमृता मोटवानी, डा. अर्चना गुप्ता ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन मंजूश्री जोशी ने किया।

श्रेयस तलपड़े

'इमरजेंसी' में आएंगे नजर

मुंबई (एजेन्सी)। एक्ट्रेस कंगना रनोट इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म इमरजेंसी को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। कंगना इस फिल्म में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के किरदार में नजर आने वाली हैं। अब हाल ही में कंगना रनोट ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर फिल्म के एक नए किरदार का खुलासा किया है। पोस्ट में कंगना ने बताया है कि एक्टर श्रेयस तलपड़े फिल्म में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के रोल में नजर आएंगे। कंगना रनोट ने फिल्म से श्रेयस तलपड़े का फर्स्ट लुक पोस्टर शेयर कर लिखा, "श्रेयस तलपड़े को 'इमरजेंसी' में भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं। एक सच्चे राष्ट्रवादी, जिनका राष्ट्र के लिए प्यार और गौरव अद्वितीय था और जो इमरजेंसी के समय एक उभरते हुए युवा नेता रहे हैं।" श्रेयस तलपड़े ने भी फिल्म से अपना फर्स्ट लुक पोस्टर शेयर कर लिखा, बाधाएं आती हैं आएं, घिरें प्रलय की घोर घटाएं। पावों के नीचे अंगारे, सिर पर बरसें यदि ज्वालाएं।

सारा अली खान का नया लुक प्रशंसकों को नहीं आया पंसद

मुंबई (एजेन्सी)। सारा अली खान अपने हॉट एंड बोल्ड लुक को लेकर काफी चर्चा में रहती हैं। वहां अक्सर अपनी प्रोफेशनल लाइफ को लेकर भी फैंस के साथ जानकारी साझा करती रहती हैं। अब वहां अपने एक वीडियो के चलते सोशल मीडिया पर ट्रोल आर्मी के निशाने पर आ गई हैं। वीडियो को सोशल मीडिया पर सेलिब्रिटी फोटोग्राफर ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर किया है।

वीडियो में सारा में सारा अली खान ब्लू कलर की लंहगा ड्रेस में पहने हुई दिख रही हैं और उन्हें एक ओर ध्यान केंद्रित करते हुए दिखे जा सकता है। लेकिन उनके चाहने वालों के उनका ये अंदाज बिल्कुल भी पसंद नहीं आ रहा है और उनकी इसी एक्टिवी के चलते वो ट्रोल्स के निशाने पर आ गई हैं। सारा अली खान का ये वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद यूजर्स उन्हें ट्रोल कर रहे हैं और वीडियो पर भदे कमेंट्स कर रहे हैं। एक यूजर ने वीडियो पर प्रतिक्रिया देकर लिखा, कार्तिक आर्यन तो हाथ से निकल गया। अब विजय देवरकोंडा को कैसे पटाऊं। दूसरे ने लिखा, इसका करियर खत्म। जबकि एक अन्य यूजर ने लिखा, चलो थोड़ा ओवर एक्टिंग कर लेती हूं। आपको बता दें, हाल ही में सारा अली खान को टीवी टॉक शो कॉफी विद करण में जान्हवी कपूर के साथ देखा गया था। जहां उन्होंने अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर कई चौंकाने वाले खुलासे किए थे।

सोनाक्षी सिन्हा

तीन साल बाद कर रहीं बड़े पर्दे पर वापसी

मुंबई (एजेन्सी)। अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा जल्द ही फिल्म 'निकिता रॉय एंड द बुक ऑफ डार्कनेस' में नजर आएंगी। दिलचस्प बात यह है कि इस फिल्म के जरिए उनके भाई कुश सिन्हा निर्देशन की दुनिया में कदम रख रहे हैं। हाल ही में इस फिल्म का फर्स्ट लुक पोस्टर साझा किया गया है। सोनाक्षी सिन्हा के साथ फिल्म में परेश रावल, सुहेल नय्यर भी नजर आएंगे। अपने भाई के निर्देशन में बन रही इस पहली फिल्म में सोनाक्षी मुख्य किरदार निभाती नजर आएंगी। फिल्म का फर्स्ट लुक पोस्टर सोशल मीडिया पर साझा कर दिया गया है। इसमें सोनाक्षी काफी अलग अंदाज में नजर आ रही हैं। साझा किए गए पोस्टर में उनका साइड फेस नजर आ रहा है। बता दें कि फिल्म 'निकिता रॉय एंड द बुक ऑफ डार्कनेस' को निकी भगनानी, विकी भगनानी और अंकुर टकरानी प्रोड्यूस कर रहे हैं।

सिंघम 3 आज तक की बिगेस्ट कॉप यूनिवर्स फिल्म होगी : रोहित शेट्टी

मुंबई (एजेन्सी)। सूर्यवंशी के बाद रोहित शेट्टी फिर इस साल अभिनेता रणवीर सिंह के साथ सर्कस के जरिये दर्शकों के सामने आने की तैयारी में हैं। यह फिल्म वर्ष 23 दिसम्बर को प्रदर्शित होगी है। हालांकि रणवीर की पिछली दोनों फिल्में-83 और जयेश भाई जोरदार बॉक्स ऑफिस पर असफल साबित हुई हैं। इसके बावजूद दर्शकों और निर्देशक रोहित शेट्टी को पूरा विश्वास है कि उनकी फिल्म सिनेमाघरों में दर्शकों को अपनी ओर आकर्षित करेगी। सर्कस के अतिरिक्त रोहित शेट्टी अपनी सिंघम सीरीज की 3री कड़ी को लेकर भी चर्चाओं में हैं। एक इंटरव्यू में रोहित ने बताया कि फिल्म की तैयारी पहले ही शुरू हो चुकी हैं। साथ ही फिल्ममेकर ने कहा कि फिलहाल अजय देवगन और वहां दोनों ही अपने कामों में बिजी हैं, इसलिए फिल्म की शूटिंग अगले साल अप्रैल से शुरू होगी। रोहित शेट्टी ने मल्टी स्टारर फिल्मों पर भी बात की है। रोहित ने कहा, हमने पहले से ही सिंघम 3 पर काम करना शुरू कर दिया है। बहुत वक्त बाद मैं सिंघम सीरीज की फिल्म बनाने जा रहा हूं। हम अगले साल अप्रैल से फिल्म की शूटिंग शुरू करने वाले हैं।

6 साल तक डेट करने के बाद अलग हुए टाइगर श्रॉफ-दिशा पाटनी

मुंबई (एजेन्सी)। बॉलीवुड एक्टर टाइगर श्रॉफ और दिशा पाटनी 6 साल से एक-दूसरे को डेट कर रहे थे, लेकिन अब दोनों अलग हो गए हैं। कपल से जुड़े सूत्रों की मानें तो दोनों का ब्रेकअप इस साल की शुरूआत में हो गया था। करीब एक साल से दोनों के रिश्ते में उतार-चढ़ाव आ रहे थे। टाइगर और दिशा ने कभी भी ऑफिशियली अपने रिश्ते को एक्सेप्ट नहीं किया, लेकिन दोनों को अक्सर एक साथ स्पॉट किया जाता था। सूत्रों के अनुसार, %टाइगर और दिशा अब साथ नहीं हैं। दोनों के बीच क्या हुआ यह तो साफ नहीं है, लेकिन अब दोनों सिंगल हैं।% रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों के रिश्ते में पिछले 1 साल से ही कुछ ठीक नहीं चल रहा था। हालांकि, कुछ दिनों पहले ही उन्होंने इस रिश्ते को फाइनली खत्म करने का फैसला लिया। टाइगर के एक दोस्त ने ब्रेकअप की पुष्टि करते हुए कहा, हम सभी को इसके बारे में कुछ हफ्तों पहले ही पता चला।

कर्ज देने वाली एप पर कसा शिकंजा, अब उधारी सीमा बढ़ाने के लिए लेनी होगी ग्राहकों की मंजूरी

एजेंसी, मुंबई। डिजिटल तरीके से कर्ज देने वाले एप ग्राहकों की मंजूरी के बिना उधारी सीमा नहीं बढ़ा सकेंगे। आरबीआई ने बुधवार को कर्ज देने वाले एप को लेकर जारी निर्देश में कहा कि उसकी ओर से रेगुलेटेड फिनटेक संस्थानों को ग्राहकों की शिकायतों के समाधान के लिए अधिकारी की नियुक्ति करनी होगी। यह अधिकारी ही डिजिटल उधारी से जुड़ी शिकायतों की सुनवाई करेगा। अगर डिजिटल मंचों के जरिये कर्ज बांटने वाले ये एप शिकायतों को 30 दिन में नहीं सुलझाते हैं तो ग्राहक केंद्रीय बैंक के लोकपाल के पास शिकायत दर्ज करा सकते हैं। आरबीआई ने डिजिटल उधारी पर गठित कामकाजी समूह (डब्ल्यूजीडीएल) की कुछ सिफारिशों को तुरंत लागू करने का फैसला किया है। वहीं, कुछ सिफारिशों को सैद्धांतिक रूप से मंजूरी दी गई है, जिन्हें बाद में लागू किया जाएगा। इसके अलावा, कुछ सिफारिशों को केंद्र सरकार और अन्य शेयरधारकों से विचार-विमर्श के बाद लागू किया जाएगा। इसके लिए संस्थागत तंत्र बनाया जाएगा।

शुल्क समेत सभी प्रमुख विवरण की देनी होगी जानकारी

रेगुलेटेड संस्थान को प्रमुख विवरण (की फैक्ट्स स्टेटमेंट) ग्राहक को मुहैया करानी होगी। इसमें सभी डिजिटल उधारी उत्पाद का एक स्टैंडर्ड फॉर्मेट होगा। विवरण में हर तरह का शुल्क, चार्ज और अन्य जानकारियां होंगी। विवरण में जो बात नहीं है, वह आगे भी ग्राहक पर लागू नहीं होगी। इसके अलावा, सभी कर्ज की जानकारी क्रेडिट ब्यूरो को देनी होगी।

कर्ज सीमा व लागत की देनी होगी जानकारी

निर्देश में कहा गया है कि बैंक और गैर-बैंकिंग संस्थानों को सुनिश्चित करना होगा कि जिनके साथ वे कारोबार कर रहे हैं, वे डिजिटल उधारी देने वाले एप उत्पादों से संबंधित फीचर को प्रमुखता से दिखाएं। इसमें कर्ज सीमा और लागत सहित सभी जानकारी होनी चाहिए।

ग्राहकों के डाटा की सुरक्षा जरूरी

आरबीआई ने कहा, एप को ग्राहकों के डाटा की सुरक्षा सुनिश्चित करनी होगी। डाटा संबंधी कार्य के लिए उनकी मंजूरी लेनी होगी। डाटा के लिए पहले दी हुई मंजूरी को ग्राहक वापस भी ले सकता है। इसका मतलब है कि ग्राहकों को स्वीकार या अस्वीकार करने की सुविधा देनी होगी। डिजिटल कर्ज से जुड़ी धोखाधड़ी को रोकने के लिए डब्ल्यूजीडीएल की ओर से दी गई सिफारिशों के आधार पर आरबीआई ने यह निर्देश तैयार किया है। लगातार बढ़ रही डिजिटल कर्ज से जुड़ी धोखाधड़ी को रोकने के लिए केंद्रीय बैंक ने 13 जनवरी, 2021 को कामकाजी समूह की स्थापना की थी।

कोरोना संकट के बाद बाजार में रौनक लौटी पर इस कारण खरीदारी में आ रही दिक्कत

नई दिल्ली। इस बार 11 और 12 अगस्त को दो दिन लोग रक्षाबंधन का त्योहार मना रहे हैं। दो वर्षों के बाद पहली बार लोग रक्षाबंधन पर कोरोना के खौफ से मुक्त होकर खरीदारी कर रहे हैं। साल 2020 और 2021 में रक्षाबंधन के दौरान कोरोना महामारी की चपेट में थे। ऐसे में बाजार में भी भाई और बहन के इस त्योहार पर कुछ खास उत्साह नजर नहीं आया था। पर इस बार हालात थोड़े अलग हैं और कोरोना के मामले थमने से लोग चिंता मुक्त होकर रक्षाबंधन के लिए खरीदारी कर रहे हैं। देश के बाजारों में बीते दो-तीन दिनों से गहमागहमी बनी हुई है। राखी और मिठाईयों की दुकानों पर लोगों की भीड़ जुट रही है। राखी की खरीदारी के दौरान उनमें उत्साह नजर आ रहा है।

व्यापारियों को इस बार कारोबार बढ़ने की उम्मीद

कोरोना संकट के बाद पहली बार रक्षाबंधन पर इससे जुड़ी चीजों का कारोबार कर रहे व्यापारियों के चेहरे पर भी रौनक है। बाजार के जानकारों के मुताबिक पिछले साल रक्षाबंधन पर करीब 4000 से 5500 करोड़ रुपये का कारोबार ही हो पाया था इस बार उम्मीद है कि यह आंकड़ा 6000 करोड़ से 8000 करोड़ तक पहुंच सकता है।

राखियों पर महंगाई का असर; लागत बढ़ी, मुनाफा घटा

दिल्ली से सटे गाजियाबाद इलाके में राखियों के कारोबार से जुड़ीं मुक्ता कुमारी बताती हैं कि इस साल लोग रक्षाबंधन पर खरीदारी में दिलचस्पी तो दिखा रहे हैं पर बाजार में बिक रही राखियों पर महंगाई का असर भी देखने को मिल रहा है। राखियों की कीमतों में 20 से 25 प्रतिशत तक का उछाल दिख रहा है। जहां तक राखियों को बनाने में आने वाली लागत का सवाल है तो वह पिछले सालों की तुलना में 30 से 40 प्रतिशत तक बढ़ गए हैं, लागत की तुलना में कीमतें अब भी कम ही हैं। इस कारण राखियों पर व्यापारी का मुनाफा घट गया है। मुक्ता का कहना है कि हालांकि अच्छी बात यह है कि महंगाई के बावजूद लोग राखी खरीदने में दिलचस्पी दिखा रहे हैं और उन्हें उम्मीद है कि पिछले सालों की तुलना में इस साल 40 से 60 फीसदी अधिक राखियां बिकेंगी।

मिठाई और कपड़ों की खरीदारी में लोग दिखा रहे दिलचस्पी

बाजार में राखियों के अलावा कपड़ों और मिठाई की भी खरीदारी हो रही है। कई जगहों पर इस बार प्रीमियम सेंगमेंट की मिठाईयां बिक रहीं हैं। इस दौरान रक्षा बंधन पर महाराष्ट्र के नासिक में 6000 रुपये प्रति किलो की दर पर मिठाईयां बिकने की भी खबरें आ रही हैं। बताया जा रहा है कि उन मिठाईयों पर सोने का वर्क चढ़ा है। महंगी होने के बावजूद लोग इस मिठाई को खरीदने में दिलचस्पी ले रहे हैं।

कच्चे माल की कीमत बढ़ने से मुंह मीठा करना भी हुआ महंगा

बाजार में सामान्य रूप से बिकने वाली मिठाइयों पर भी रक्षाबंधन के समय महंगाई का असर दिख रहा है। दूध, घी, डालना, चीनी, रिफाइन की कीमतें पिछले साल की तुलना में 20 से 30 प्रतिशत तक ऊपर जा चुकी है। ऐसे में इनसे तैयार होने वाली मिठाईयां भी महंगी हो गई हैं। कई मिठाईयों की कीमतें लगभग दो गुनी तक महंगी हो गई हैं। जो काजू की बर्फी पिछले साल 500 से 600 रुपये प्रतिकिलो तक बिकती थी वो इस बार बाजार में क्वालिटी के अनुसार 900 से 1100 रुपये प्रति किलो की दर से बिक रही है। कपड़ा मार्केट में भी चीजें पिछले सालों की तुलना में महंगी बिक रही हैं।

आईटीआर भरने की डेडलाइन खत्म, अब कैसे दाखिल होगा आयकर रिटर्न, कितना लगेगा जुर्माना?

नई दिल्ली। आईटीआर फाइल करने की डेडलाइन समाप्त हो चुकी है। आईटीआर फाइल करने की आखिरी तारीख 31 जुलाई 2022 थी जो अब खत्म हो चुकी है। अब कई लोगों ने आईटीआर फाइल नहीं किया है। 31 जुलाई की मध्य रात्रि तक लगभग साढ़े पांच करोड़ लोग आईटीआर फाइल कर चुके हैं पर अब भी बड़े पैमाने पर लोगों ने रिटर्न फाइल नहीं किया है। ऐसे में जिन लोगों ने अब तक रिटर्न फाइल नहीं किया हे उन्हें अब आयकर रिटर्न फाइल करने से पहले जुर्माना भरना होगा तभी वे अपना रिटर्न फाइल कर पाएंगे। कयास लगाए जा रहे थे कि सरकार अंतिम समय पर आटीआईआर फाइल करने की डेडलाइन बढ़ा देगी, पर जैसा कि सरकार ने पहले ही संकेत दे दिए थे, रिटर्न भरने की अखिरी तारीख नहीं बढ़ाई गई। बड़े पैमाने पर लोगों और आर्थिक संस्थाओं की ओर से टैक्स रिटर्न दाखिल करने की डेडलाइन बढ़ाने की मांग की गई थी पर सरकार ने उन्हें सख्त फैसला लेते हुए अनसुना कर दिया। कई लोगों ने ई-फाइलिंग वेबसाइट में गड़बड़ी की शिकायत करते हुए टैक्स फाइलिंग की डेडलाइन बढ़ाने की मांग की थी पर सरकार ने उन्हें स्पष्ट रूप से मना करते हुए कह दिया कि इस बार आईटीआर फाइलिंग की तारीख बढ़ाने का सरकार का कोई प्लान नहीं है।

जिन लोगों ने 31 जुलाई 2022 तक रिटर्न फाइल नहीं किया है वे अब क्या करेंगे?

जिन लोगों ने सरकार की ओर से डेडलाइन बढ़ाने के इंतजार में अब तक रिटर्न फाइल नहीं किया है अब उन्हें जुर्माने के साथ अपना रिटर्न फाइल करना होगा। जुर्माने की राशि भरकर लोग अब 31 दिसंबर 2022 तक अपना रिटर्न दाखिल कर सकेंगे। ऐसे में यह जानना जरूरी है रिटर्न फाइल करने की आखिरी तारीख समाप्त होने के बाद जिन लोगों ने अब तक रिटर्न दाखिल नहीं किया है उनके लिए क्या विकल्प

बचे हैं और वे अपना रिटर्न कैसे दाखिल कर पाएंगे? आइए जानते हैं उन्हें अब अपना रिटर्न दाखिल करने के लिए क्या करना पड़ेगा?

आयकर कानूनों के प्रावधान 139(4) के तहत लेट फी के साथ दाखिल करना होगा आईटीआर

अगर आप इन टैक्स रिटर्न भरने की 31 जुलाई 2022 की तारीख मिस कर गए हैं तो आप 31 दिसंबर 2022 तक आयकर कानून की धारा 139(4) के तहत लेट फी के साथ अपना रिटर्न दाखिल कर सकते हैं। इसके लिए आपको 1000 रुपये से 5000 रुपये तक का जुर्माना भरना पड़ेगा।

किनको भरना पड़ेगा एक हजार रुपये का जुर्माना?

अगर आपकी सालाना आय पांच लाख रुपये से कम है और आपने अब तक अपना आयकर रिटर्न नहीं भरा है तो आप आज से 31 दिसंबर 2022 के बीच 1000 रुपये का जुर्माना भरकर अपना आईटीआर दाखिल कर सकते हैं। हालांकि अगर आपकी सालाना आमदनी बेसिक एक्सेम्पशन लिमिट (2.5 लाख रुपये) से भी कम है तो आपको एक रुपया भी जुर्माने के तौर पर नहीं भरना पड़ेगा।

किनको भरना पड़ेगा पांच हजार रुपये का जुर्माना?

अगर किसी व्यक्ति की सालाना आमदनी पांच लाख रुपये से अधिक है और उन्होंने अब तक अपना आयकर रिटर्न नहीं भरा है तो उन्हें अपना रिटर्न भरने के लिए अब 5000 रुपये तक की लेट फीस भरनी पड़ेगी। उनके ऊपर जितने रुपये की टैक्स की देनदारी होगी उस राशि पर भी अब ब्याज की गणना आज से ही शुरू हो जाएगी। ऐसे में उन्हें 31 दिसंबर तक आयकर रिटर्न दाखिल करने के लिए पहले लेट फीस, अपना बकाया टैक्स और उसके ऊपर चार्ज किए गए ब्याज की राशि का भुगतान भी करना पड़ेगा। जिन लोगों ने 139 (1) के तहत समय रहते अपना रिटर्न दाखिल नहीं किया है उन्हें अब रिटर्न दाखिल करने के लिए अब उनके ऊपर बनी टैक्स की देनदारी पर 1त्न प्रति महीने की दर से ब्याज का भुगतान करना पड़ेगा।

अगर 31 दिसंबर, 2022 तक भी नहीं फाइल किया रिटर्न तो कैसे मिलेगा रिफंड?

अगर आपको आयकर विभाग से रिफंड लेना है और आपने 31 जुलाई 2022 तक अपना रिटर्न फाइल नहीं किया है तो आप 31 दिसंबर 2022 तक जुर्माने के साथ रिटर्न फाइल कर अपना रिफंड क्लेम कर सकते हैं। अगर आपने 31 दिसंबर 2022 तक भी अपना रिटर्न नहीं भरा तब भी आपको रिफंड मिल सकता है पर उसके लिए आपको बहुत पापड़ बेलने पड़ेंगे। आपको रिफंड पाने के लिए अपने क्षेत्र के आयकर आयुक्त के पास रिफंड हासिल करने के लिए अपील करनी होगी। अगर आपका रिटर्न फाइल नहीं करने का कारण वाजिब है तो वे आपको उसके बाद भी रिटर्न दाखिल करने की अनुमति दे सकते हैं। वहीं दूसरी ओर, सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्ट टैक्सेज ने आईटीआर वेरिफिकेशन की समयसीमा घटा दी है। CBDT के अनुसार आईटीआर वेरिफिकेशन कराने के लिए अब 120 दिन की जगह 30 दिन ही मिलेंगे। CBDT की ओर से नोटिफिकेशन जारी कर इस बात की जानकारी दी गई है।

बैंक एफडी:नुकसान से बचने के लिए 5 जोखिमों के बारे में जरूर जानें

नई दिल्ली। बैंकों में फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) हमेशा निवेश का लोकप्रिय साधन रहा है। इसमें निवेशकों को न सिर्फ निश्चित रिटर्न मिलता है बल्कि जोखिम भी कम रहता है। लेकिन, वास्तव में ऐसा नहीं है। निवेश सलाहकारों का मानना है कि एफडी को भले ही सबसे कम जोखिम वाला निवेश विकल्प माना जाता है, लेकिन इसकी भी अपनी सीमाएं हैं। इसमें बैंकों के डिफॉल्ट करने पर आपका पैसा डूबने का खतरा रहता है। मैच्योरिटी से पहले फंड निकासी की सुविधा नहीं होती है। महंगाई भी एफडी के ब्याज को प्रभावित करती हैं। ऐसे ही पांच जोखिम

हैं, जिनका एफडी कराते समय ध्यान रखना चाहिए।

डिफॉल्ट का जोखिम

कुछ स्मॉल को-ऑपरेटिव बैंक के डूबने के मामले सामने आए हैं। ऐसी स्थिति में निवेशकों की जमा पर जोखिम बढ़ जाता है। नए नियम के तहत किसी बैंक के डूबने पर कुल जमा पर 5 लाख रुपये तक इंश्योरेंस मिलता है। ऐसे में अगर किसी बैंक में 15 लाख रुपये का एफडी किया है और वह बैंक डूब जाता है तो आपको अधिकतम 5 लाख रुपये ही मिलेंगे। बाकी 10 लाख रुपये के डूबने का खतरा रहता है।

मैच्योरिटी से पहले फंड निकासी नहीं

एफडी में एक निश्चित अवधि के लिए निवेश किया जाता है। इस अवधि से पहले आप फंड निकासी नहीं कर सकते हैं। मान लीजिए, आपने टैक्स सेविंग एफडी किया है, जिसकी लॉकइन अवधि पांच साल है तो आप मैच्योरिटी के बाद ही फंड की निकासी कर सकते हैं। मैच्योरिटी से पहले फंड निकासी पर आपको नुकसान हो सकता है। इसके अलावा, कई बैंक एफडी से ऑनलाइन निकासी की सुविधा नहीं देते हैं। ऐसे में फंड निकासी के लिए आपको बैंक शाखा जाकर कागजी कार्यवाही करनी पड़ती है।

अधिक टैक्स का भुगतान

एफडी पर ब्याज से होने वाली कमाई करयोग्य होती है। इस पर कमाई के साथ जोड़कर स्लैब के हिसाब से टैक्स लगता है।

आवश्यकता

युवा प्रदेश नेटवर्क

मध्यप्रदेश के सभी जिले व तहसीलों में संवाददाता नियुक्त किये जाने है। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें।

युवा प्रदेश नेटवर्क,
प्रधान संपादक-नागेश नरवरिया
मो.- 9425156055-9755364204

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक,प्रकाशक एवं संपादक नागेश नरवरिया द्वारा जय माता प्रिंटर्स म.नं. 1 अमर दाल मिल के पास पेमदीपुरा चिकलोद रोड के पास बापू कालोनी जहांगीराबाद भोपाल मप्र से मुद्रित एवं म.नं. 51 एक्सटेंशन शिवलोक कॉलोनी फेस-3, खजूरी कलां रोड,तह. हुजूर जिला भोपाल से प्रकाशित। संपादक :- नागेश नरवरिया (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा।)